बिहार-झारखंड
संस्करण
वर्ष: 5
अंक: 159
मूल्य ₹ 2.00
पृष्ठ 06
Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

पटना। गुरुवार, 16 जनवरी 2025 सम्पादक: कृष्णा टेकड़ीवाल web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

संक्षिप्त खबर

केजरीवाल, प्रवेश वर्मा, बिधूड़ी ने नामांकन किया दाखिल

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रवेश वर्मा समेत कई नेताओं ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। केजरीवाल और प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से नामांकन किया। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने नामांकन से पूर्व पदयात्रा की। केजरीवाल नामांकन से पूर्व महर्षि वाल्मीकि मंदिर और प्राचीन हनुमान मंदिर गए और ईश्वर का आशीर्वाद लिया। आप नेता संदीप पाठक ने कहा कि केजरीवाल ने नई दिल्ली विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल किया है। भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने भी नामांकन के पूर्व मार्च निकाला। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि केजरीवाल की जमानत जब्त हो। उन्होंने यहां के गरीब लोगों को धोखा दिया है और झुग्गीवासियों के लिए कुछ नहीं किया है। भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने कालकाजी सीट से अमर कॉलोनी स्थित डीएम आफिस पहुंचकर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी उपस्थिति में नामांकन पत्र दाखिल किया। कल इस सीट से वर्तमान मुख्यमंत्री आतिशि ने नामांकन दाखिल किया था। भाजपा उम्मीदवार विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल किया।

दिल्ली-एनसीआर में घना कोहरा, रेल व हवाई यातायात प्रभावित

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के राज्यों के सीमावर्ती शहरों के लोगों को आज सुबह कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का सामना करना पड़ा। विजिबिलिटी न के बराबर है। सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आसमान पर बादल छाए रहने की संभावना जताई है। कोहरे और कम विजिबिलिटी का असर हवाई यातायात पर भी पड़ा है। भारतीय रेलवे के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में कोहरे की वजह से दिल्ली आने वाली 26 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, आज शाम हल्की बारिश भी हो सकती है। अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

देरी से चल रही हैं यह ट्रेनें: बिहार क्रांति, श्रम शक्ति एक्सप्रेस, गोरखधाम एक्सप्रेस, नई दिल्ली हमसफर, महाबोधि एक्सप्रेस, वैशाली एक्सप्रेस, एसएलएन एएनवीटी एक्सप्रेस, श्रमजीवी एक्सप्रेस, अयोध्या एक्सप्रेस, लखनऊ मेल, पद्मावत एक्सप्रेस, एलकेओ नई दिल्ली एसी एक्सप्रेस, सप्त क्रांति एक्सप्रेस, हापा एसवीडीके एक्सप्रेस, मालवा एक्सप्रेस, केसीवीएल संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, जेबीपी एनजेडएम एसएफ एक्सप्रेस, गोंडवाना एक्सप्रेस, मेवाड़ एक्सप्रेस, निजामुद्दीन दुरंतो एक्सप्रेस, एसएनएसआई कालका एक्सप्रेस, यूपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, बीडीटीएस एलकेयू एसएफ एक्सप्रेस, तेलंगाना एक्सप्रेस, आरकेएमपी एनजेडएम एसएफ एक्सप्रेस और संपर्क क्रांति एक्सप्रेस।

डेहरी: वार्ड 5 बनी आखिरी क्वार्टर फाइनल की विजेता

दैनिक बिहार पत्रिका

डेहरी/ रोहतास। हिमान्शु फाउंडेशन व बाबा वीर कुवर टूर्नामेंट कमिटी के 13वें नगर चैंपियनशिप के आखिरी क्वार्टर फाइनल मैच वार्ड 5 बनाम वार्ड 32 के बीच हुई। मैच से पूर्व कमिटी के मीडिया सलाहकार इंद्र कुमार बाघा ने खिलाड़ियों से परिचय लिया, तभी आज के मैच अंपायर सोनू पांडेय और प्रिंस ने दोनों कप्तानों के बीच टॉस करवाया, जिसे वार्ड 32 ने जीतकर बैटिंग करने का निर्णय लिया, बल्लेबाजी को उतरी वार्ड 5 की टीम 91 रन बनाते हुए 92 रनों का लक्ष्य वार्ड 32 को दिया, जिसके जवाब में बल्लेबाजी को उतरी वार्ड 32 की बहुत छोटे स्कोर 37 रन पर ही ढेर हो गयी, और मैच वार्ड 5 ने 54 रनों से जीत लिया। आज का मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार वार्ड 5 के विकास यादव को दिया गया, जिसने 3 विकेट झटके। मौके पर आदित्य, नितेश, राकेश , चंदन आदि मौजूद थे।

समस्तीपुर में बड़ा हादसा, बॉयलर फटने से दो की मौत, कई ज़ख्मी

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। शहर के पूसा रोड स्थित एल्यूमीनियम फैक्ट्री में बुधवार दोपहर अचानक बॉयलर फटा इस हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई। जबकि, चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इन घायलों को आनन-फानन मे सदर अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना वैनी थाना क्षेत्र स्थित आलमुनियम फैक्ट्री की है। वहीं हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम अस्पताल पहुंची और एक टीम घटनास्थल पहुंची। दोनों जगह पुलिस जांच में जुट गई है।मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर के चंद्रशेखर राय और दरभंगा के संजय राय के रूप में की गई है। वहीं, घायलों में ललित कुमार, ज्योति कुमार राज बल्लव और पवन कुमार शामिल है,घटना की सूचना मिलने के बाद सदर एसडीओ दिलीप कुमार मौके पर पहुंचे। एसडीओ ने बताया कि 'एल्युमिनियम फैक्ट्री में बॉयलर ब्लास्ट हुआ, जिसमें दो मजदूर की मौत हो गई है। एक शव को निकाला गया है और दूसरा मालवा में फंसा है। गंभीर रूप से जख्मी तीन लोगों को इलाज समस्तीपुर सदर अस्पताल में चल रहा है। सदर एसडीओ दिलीप कुमार ने बताया कि फक्ट्रा का मालिक दिलीप कुमार है। उसकी तलाश की जा रही है। घटना के बाद फैक्ट्री के सभी मजदूर फरार हो गए हैं।प्रत्यक्षदर्शी राहुल सिंह ने बताया कि 'एल्यूमीनियम फैक्ट्री में बॉयलर ब्लास्ट हुआ। धमाका काफी तेज था। हम लोग कुछ ही दूरी पर थे। धमाके की आवाज सुनने के बाद हम लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। यहां आकर देखा, तो धमाके के बाद फैक्ट्री की दीवार मलबे में तब्दील हो गई थी।मलबे में मजदूर बेहद गंभीर स्थिति में पड़े थे। तीनों को बाहर निकालकर ताजपुर हॉस्पिटल भेजा गया, जहां से उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल, जेसीबी से मलबा हटाया जा रहा है। इसके बाद ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा।' राहुल सिंह ने बताया कि 'हादसे के शिकार मृतक मुजफ्फरपुर का रहने वाला है। फैक्ट्री करीब 100 साल पुरानी है, जहां एल्यूमिनियम का बर्तन बनता है। यहां 150 से 200 मजदूर काम करते हैं, लेकिन जहां बॉयलर रहता है, वहां करीब 7 से 8 मजदूर काम करते हैं। मेरा बेटा भी फैक्ट्री में काम करता है, जो मोबाइल पर बात करने बाहर चला गया था। इससे उसकी जान बच गई।

समस्तीपुर में कुत्तों का आतंक : आवारा कुत्तों ने 10 वर्षीय बच्ची को नोचा, मौत

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। समस्तीपुर में इन दिनों कुत्ते का आतंक देखने को मिल रहा है।आवारा कुत्तों ने 10 वर्षीय बच्ची को नोच डाला, जिससे उसकी मौत हो गई। समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर प्रखंड के भरपुरा पटपारा के वार्ड 14 चोचाही गांव में एक आवारा कुत्तों ने 10 साल की मासूम को काट काट कर मौत के घाट उतार दिया। मृत बच्ची रेशम कुमारी चोचाही गांव निवासी मनोज यादव की पुत्री बतायी गयी है। परिजनों ने बताया कि मंगलवार शाम बच्ची अपने घर के निकट खेल रही थी। उसी दौरान एक आवारा कुत्तों का झुंड पहुंचा और बच्ची पर हमला कर दिया। बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुन जब तक लोग दौड़कर पहुंचते कुत्तों ने बच्ची को जगह जगह काट कर इस तरह गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। जिससे कुछ ही देर में उसकी मौत हो गयी। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पूर्व आवारा कुत्तों ने बकरी के कई बच्चों पर भी हमला कर मौत के घाट उतारा था। तब लोगों ने बहुत अधिक ध्यान नहीं दिया था। लेकिन अब इस घटना से गांव में आवारा कुत्तों से दहशत का माहौल है। ग्रामीण उससे बचने के लिए एकजुट होकर उसकी खोज में जुटे हुए हैं। इधर, परिजनों ने मृत बच्ची का मंगलवार शाम ही दाह संस्कार कर दिया।

अचानक सुपौल के दौरे पर निकले डीआईजी मनोज कुमार पुलिस पदाधिकारियों को दिए कई निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल। कोशी रेंज के डीआईजी सह सुपौल के पूर्व पुलिस कप्तान मनोज कुमार मंगलवार को अचानक सुपौल के दौरे पर रवाना हुए सबसे पहले वह पुलिस लाइन निरीक्षण करने पहुंचे इस दौरान डीआईजी मनोज कुमार को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया, डीआईजी मनोज कुमार ने सर्वप्रथम जिले के विभिन्न थाने के कांडों का जानकारी ली,इस दौरान उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किये जाने का निर्देश दिया, अपराधियों की गिरफ्तारी, ससमय कांडों के निष्पादन, निर्दोष फंसे नहीं और दोषी बचे नहीं तथा कोई भी अपराधी हो, उसकी गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया। डीआइजी मनोज कुमार ने अधिकारियों को थाना क्षेत्रों में अपराध पर हर हाल में अंकुश लगाने का आदेश दिया ,ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी। लंबित कांडों के निष्पादन में तेजी लाने को कहा। वहीं डीआईजी मनोज कुमार ने पुलिस पदाधिकारियों को गंभीर कांडों का खुलासा करने, अपराधियों को गिरफ्तार करने, जेल से छूटे अपराधियों पर नजर रखने, शराब तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने, सूचना तंत्र को मजबूत करने सहित कई निर्देश दिए। उसके बाद डीआईजी मनोज कुमार ने पुलिस लाइन में अग्नेशस्त्र विभिन्न बिल्डिंगों एवं पुलिस लाइन के साफ सफाई का घूम-घूम कर जायजा लिया वहीं पुलिस लाइन में साफ सफाई रखने एवं हरियाली के उद्देश्य से और अधिक संख्या में पौध रोपण की बात कही,डीआईजी मनोज कुमार को अचानक निरीक्षण से पुलिस विभाग में अफरा-तफरी मच गयी। डीआईजी मनोज कुमार ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि सब कुछ ठीक-ठाक रहा। हालाँकि कुछ त्रुटि पाई गई है। जिसको लेकर कई निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह एक नियमित दौरा है इस बार हमने पुलिस लाइन की दो शाखा जीपी और एमटी शाखा को देखा है इसके बाद कलेक्ट स्थित कंट्रोल रूम का निरीक्षण करेंगे, कंट्रोल अच्छी तरह से कार्यरत होनी चाहिए सभी थाना और उसकी गाड़ियां दुरुस्त होनी चाहिए सभी जिले भर में कहीं भी किसी घटना की सूचना मिलने पर त्वरित रूप से कार्य किया जा सके, इसके अलावा किसी वीआईपी के मूवमेंट की सूचना बिना समय गंवाए मिल जानी चाहिए, जिले की विधि व्यवस्था को दुरुस्त और अपराध निरंतर के लिए कंट्रोल रूम का सभी थाने में बेहतर कोऑर्डिनेशन बेहद आवश्यक है साथ ही उन्होंने पुलिस कर्मियों को फ्रेंडली पुलिसिंग करने का निर्देश दिया ताकि किसी फरियादी को अपनी समस्या लेकर थाने में जाने में संकोच ना हो,कहा की अपराध पर अंकुश एवं क्षेत्र में अमन-चैन कायम रखने को लेकर थाना क्षेत्र के नियमित गश्ती तेज रखें। ताकि अपराधी असामाजिक तत्वों पर लगाम लगाया जा सके और अपराध मुक्त कोसी क्षेत्र हो सके। साथ में सुपौल पुलिस कप्तान शैशव यादव भी मौजूद थे

फीका नजर आया मकर संक्रांति, गिना चुना पतंग उड़ाने वालों की संख्या दिखी

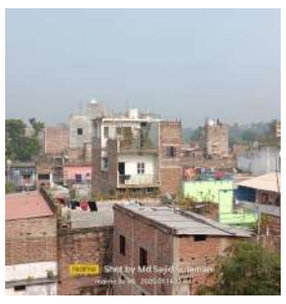

दैनिक बिहार पत्रिका

गोगरी। इस बार फीका नजर आया मकर संक्रांति जानकारी के अनुसार बता दे की गोगरी अनुमंडल के ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहरी क्षेत्र में पतंग की संख्या गिना चुना दिखाएं परा आसमानों में पतंग की संख्या नाम मात्र रही कोई बारात चले की सोशल मीडिया का जब से जमाना आया है तब से पतंग पर लोग कम ध्यान दे रहे हैं जब इस मामले में दुकानदार से बात किया गया कि उन्होंने बताया कि पहले की वनस्पति मांझा एवं पतंग बिका वही हिंदू रीति रिवाज के अनुसार सभी ने अपने-अपने घरों में दही चूड़ा तिलवा खाया एवं मंदिरों में पूजा की और अपने दोस्त रिश्तेदारों में जाकर त्यौहार का बधाई दी सोशल मीडिया गेम के कारण लोग पतंग कम उड़ाते हैं।

दो मुट्ठी आसमान: भावनाओं और संवेदनाओं का अनमोल काव्य संग्रह

समीक्षक

'दो मुट्ठी आसमान' बिहार के मधेपुरा निवासी डॉ. मोनिका राज द्वारा लिखित एक अत्यंत सुंदर और अर्थपूर्ण काव्य संग्रह है। इस काव्य संग्रह में जीवन के विभिन्न पहलुओं को सरल और भावपूर्ण शब्दों में प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक के प्रथम पन्ने पर लेखिका द्वारा लिखी गई 'मन की बात' से ही उनकी लेखनी की गहराई और शक्ति का आभास होता है। जितनी सभ्यता और खूबसूरती से लेखिका ने 'मन की बात' लिखी है, उतनी ही खूबसूरती से उन्होंने कविताओं की पंक्तियों को सजाया है।

कविता के लिए सही शब्दों का चयन और भावनाओं में ढालना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, और इसमें लेखिका ने सफलता प्राप्त की है। जैसे कई रंगों की मोतियों को मजबूत धागों में पिरोने से सुंदर माला बनती है, उसी तरह 'दो मुट्ठी आसमान' भावनाओं और संवेदनशील शब्दों से बनी कविताओं का सुंदर संग्रह है।

'दो मुट्ठी आसमान' काव्य संग्रह की हर कविता संवेदनाओं और भावनाओं से भरी हुई और प्रेरणादायक है। इसकी भाषा शैली अत्यंत सरल और सहज है, जो आत्म-गहराई का बोध कराती है। डॉ. मोनिका राज ने प्रेम, विरह, मातृत्व, स्त्रीत्व, नारीशक्ति, प्रकृति के सौंदर्य, रिश्तों और जीवन के विविध रूपों को गहराई से व्यक्त किया है। **संग्रह की कविता 'चाँद मेरा प्यार' में प्रेम की गहराई और समर्पण को इन पंक्तियों में व्यक्त किया गया है:**

'मेरा प्यार स्थिर पानी,
हर पल साथ देता।
चाहे हो नज़रों से दूर,
हर क्षण पास वो रहता।'

इसी तरह 'वो बारिश की रात' और 'तेरी यादों की गलियों में' कविताएँ अतीत के प्रियतम के साथ बिताए गए पलों की भावनात्मक अभिव्यक्ति हैं, जो पाठकों के हृदय को छू जाती हैं। इसके अतिरिक्त 'नगमे वफ़ा' और 'प्रेम की पाती' जैसी कविताएँ प्रेम और विरह की गहरी संवेदनाओं से भरी हैं। मातृत्व पर आधारित कविताएँ संग्रह का एक भावनात्मक पक्ष हैं। 'लौट आओ माँ', 'माँ बिन कुछ नहीं', और 'माँ अब मैं समझने लगी हूँ' जैसी कविताएँ माँ के त्याग, संघर्ष और ममता की गहराई को दर्शाती हैं। वहीं, 'है तुमसे वादा माँ' माँ के प्रति श्रद्धा और समर्पण को व्यक्त करती है।स्त्रियों की शक्ति और स्वतंत्रता को काव्य के माध्यम से प्रस्तुत करना इस संग्रह की विशेषता है। ₹मैं हार नहीं मानूँगी', ₹आज की लड़की₹, और ₹नारी तुम सशक्त बनो₹ जैसी कविताएँ नारी को अपने आत्मविश्वास और लक्ष्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करती हैं। ये कविताएँ नारी शक्ति का आह्वान करती हैं और उनके सामर्थ्य का प्रतीक हैं।काव्य संग्रह में प्रकृति के सौंदर्य का भी विशेष उल्लेख है। 'देखो सखी आया बसंत' और 'मुझको बसंत नहीं भाता' कविताएँ प्रकृति के प्रति लेखिका के गहरे प्रेम और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाती हैं। 'जीवन की सफलता' कविता जीवन के संघर्षों में धैर्य और दृढ़ता को प्रेरित करती है। इन पंक्तियों में लेखिका ने सफलता के रहस्यों को उजागर किया है:

'संघर्ष के राह में जो मिला,
करो स्वीकार तुम थमो नहीं।
जीवन-पथ पर जो बढ़ा चला,
है अडिग और सफल वही।'

'जिंदगी का महताब हो तुम' कविता में लेखिका ने अपने प्रिय को जीवन की सबसे बड़ी खुशी और प्रेरणा के रूप में चित्रित किया है। इन पंक्तियों में प्रेम और समर्पण की गहराई स्पष्ट झलकती है:

'कलकल गंगा सा निवार हो तुम,
पुष्प की मनमोहक सुगंध हो तुम।
तुमसे ही मेरी सारी खुशियाँ हैं,
मेरा गुरूर मेरा विश्वास हो तुम।'

'दो मुट्ठी आसमान' की भाषा सरल, सहज और प्रभावशाली है। कविताओं में भावनाओं और संवेदनाओं को इतनी खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है कि पाठक हर कविता को अपने अनुभव से जोड़ पाते हैं। ₹दो मुट्ठी आसमान₹ एक अद्वितीय और यादगार काव्य संग्रह है, जो जीवन, प्रेम, मातृत्व, संघर्ष और नारी शक्ति को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करता है। इस संग्रह की कविताएँ न केवल भावनाओं को व्यक्त करती हैं, बल्कि पाठकों को प्रेरित भी करती हैं। यह पुस्तक साहित्य प्रेमियों के लिए एक अनुपम उपहार है। डॉ. मोनिका राज ने इस कृति के माध्यम से साहित्य जगत को एक अनमोल धरोहर दी है। उन्हें इस उत्कृष्ट काव्य संग्रह के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ!

समीक्षक: अंबिका कुशवाहा 'अम्बी'
पुस्तक: दो मुट्ठी आसमान
लेखक: डॉ. मोनिका राज
प्रकाशन: समदर्शी प्रकाशन, गाज़ियाबाद
मूल्य: 150 रुपये
प्रथम संस्करण : 2024

जमालपुर बाजार में भी ठंड का दिखा असर शाम तक घर में दुबके रहे लोग

दैनिक बिहार पत्रिका/मों साजिद

खगड़िया। बड़ी ठंड लोग की मुश्किलें बढ़ी जानकारी के अनुसार जमालपुर बाजार के ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहरी क्षेत्र तक ठंड बढ़ गया है... बढ़ती ठंड के कारण लोगों की संख्या बाजारों में काम देखनी लगी है। वही गर्म कपड़ों की दुकानो में भीड़ देखने को मिला जानकारी के अनुसार बता दे की ठंड का तापमान सुबह 5:00 बजे से लेकर 7:00 बजे के बीच लगभग 10 डिग्री सेल्सियस रही कोई शाम को 5:00 बजे के बाद 11 डिग्री से लेकर 15 डिग्री के अंदर रही जिससे बच्चे एवं बूढ़े की परेशानी बढ़ गई बताते चले की लगभग तीन से चार दिनों तक ठंड कम गई थी लेकिन अचानक बुधवार तेज हवा के करण ठंड ने दस्तक दी कई काम बाधित भी हुआ बाजारों में आदमी को संख्या कम देखी गर्म कपड़े का पहनावा बढ़ गया बढ़ती ठंड के कारण कई दुकानें की बिक्री पर भी असर पड़ा।

मंत्री ने शोकाकुल परिजनों की मुलाकात, बंधाया ढांढस

दैनिक बिहार पत्रिका

विद्यापतिनगर। मऊ धनेशपुर दक्षिण पंचायत निवासी जाने-माने समाजसेवी व लम्बे अरसे तक मऊ बाजार स्थित पुराने दुर्गा मंदिर के सचिव रहे अर्जुन प्रसाद सिंह के असामायिक निधन उपरांत बुधवार को स्थानीय विधायक सह बिहार सरकार के जलसंसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने उनके आवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की तथा दुःख की इस घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया। इससे पूर्व मंत्री विजय कुमार चौधरी ने दिवंगत अर्जुन प्रसाद सिंह के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण कर आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। परिजनों से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि अर्जुन बाबू आजीवन सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में लगे रहे, उनका अचानक चले जाने से परिवार के साथ समाज को अपूर्णीय क्षति हुई है, जिसका निकट भविष्य में भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि अर्जुन बाबू जिंदादिल इंसान थे, हर परिस्थिति में वे हमेशा लोगों की मदद के लिए तैयार रहते थे। सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते वाले अर्जुन बाबू हमेशा याद रहेंगे। मंत्री विजय कुमार चौधरी ने वार्ड संख्या 5 निवासी सेवानिवृत शिक्षक उपेंद्र झा की धर्मपत्नी के देहावसान पर उनके आवास पर पहुंचकर भी परिजनों से मुलाकात की।विदित हो कि बीते दिनों सेवानिवृत्त शिक्षक उपेन्द्र झा की धर्मपत्नी का देहावसान हो गया था, वहीं वार्ड संख्या तीन निवासी बच्चा सिंह के पिता जाने-माने समाजसेवी व लम्बे अरसे तक पुरानी दुर्गा पूजा समिति मऊ के सचिव रहे अर्जुन प्रसाद सिंह का असामायिक निधन हो गया था। परिजनों से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि अर्जुन बाबू आजीवन सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में लगे रहे, उनका अचानक चले जाने से परिवार के साथ-साथ समाज के लिए अपूर्णीय क्षति हुई है, जिसका निकट भविष्य में भरपाई संभव नहीं है। मौके पर बड़ी संख्या में सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद थे। मौके पर बड़ी संख्या में सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद थे।

बरैला झील के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए जिलाधिकारी ने की बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका

बरैला झील की पर्यावरणीय महता और जैव विविधता के संरक्षण और इसके सौंदर्यीकरण हेतु जिला पदाधिकारी यशपाल मीणा ने आज अपने कार्यालय कक्ष में बैठक की और पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। बरैला झील सलीम अली जुब्बा सहनी पंछी आश्रयणी के नाम से भी जाना जाता है। बैठक में जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वे एक कार्य योजना तैयार कर बरैला झील के सौंदरीकरण और विकास के कार्य को शीघ्र पूर्ण रूप दें। इसके लिए राज्य सरकार भी विशेष पहल कर रही है। विदित है कि जिला पदाधिकारी के विशेष पहल पर बरैला झील के विकास के लिए वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा बीते वर्ष ही मापी और सीमांकन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। झील को 12 सेक्टर में बांट कर मापी और सीमांकन का कार्य कराया गया था, ताकि झील के वास्तविक स्थिति का आकलन कर संरक्षण के लिए पहल किया जा सके। बैठक में अपर समाहर्ता विनोद कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त कुंदन कुमार, डीसीएलआर, जंदाहा और पातेपुर के अंचलाधिकारी तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ स्थानीय पर्यावरणविद् पंकज कुमार चौधरी भी उपस्थित रहे।

एक नज़र इधर भी

बरारी विधायक विजय सिंह निषाद ने किया सड़क शिलान्यास

दैनिक बिहार पत्रिका

बरारी/कटिहार।बरारी प्रखंड के लक्ष्मीपुर में बरारी विधायक विजय सिंह निषाद ने मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत लक्ष्मीपुर राजन खान के बांस बाड़ी से पांचू मंडल के घर तक 14 लाख 99 हजार 900 रुपए के लागत से सड़क का शिलान्यास किया गया। इस दौरान बरारी विधायक विजय सिंह ने कहा कि क्षेत्र का विकास उनकी पहेली प्राथमिकता है। हर गांव मुख्य सड़क से कनेक्ट हो इसके लिये वे हमेशा फिक्रमंद हैं। क्षेत्र के विकास के लिऐ जनता कहे या फिर नहीं कहे यह उनकी जवाबदेही में शामिल है। बरारी विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल में विकास की गंगा बह रही है। इस मौके जिला परिषद गुणसागर पासवान, विधायक प्रतिनिधि राजीव चौधरी,युवा जदयू प्रखंड अध्यक्ष अमित चौधरी, सुजीत चौधरी बॉबी सिंह, उमेश, गोपी सहित अन्य लोग थे।

संदिग्ध अवस्था मे महिला की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या आरोप

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। ज़िलें के दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के केवटा वार्ड संख्या दो में एक महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई । मौके पर पहुंची दलसिंहसराय थाना कि पुलिस कि टीम। वही मृतिका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि सास और ननद ने जहर पिलाकर हत्या कर घर से फरार हो गई। बता दें कि दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के केवटा वार्ड 2 निवासी भूषण राय के पुत्र विकास कुमार के पत्नी स्वीटी कुमारी की घर में ही संदिग्ध अवस्था में हुई मौत। पति ने बताया कि घर में सास बहु में झगड़ा होते रहता था लेकिन कभी इस तरह का कई अनहोनी का शंका नहीं हुआ मृतिका के पास तीन बच्चे हैं। वहीं मौके पर पहुंचे रिश्ते में लगने वाले मौसा ने बताया कि इसकी हत्या जहर पिलाकर ससुराल के कुछ सदस्यों ने हत्या कर दिया। मौके पे गिलाश खाली जहर की ग्लास दिखी मौके पर पहुंचे दलसिंहसराय के थाना की पुलिस अधिकारी ने मृतक के पति विकास कुमार को अपनी गिरफ्त में लेकर छानबीन में जुट गई।

पुलिस अधीक्षक ने गोरौल थाना का किया निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका

वैशाली ।बुधवार को पुलिस अधीक्षक, वैशाली के द्वारा गोरौल थाना का निरीक्षण किया गया। जिसमें पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कार्यों की समीक्षा किया गया, थानाध्यक्ष को थाना परिसर में उच्च कोटि की साफ सफाई रखने,लंबित चल रहे कांड का त्वरित निष्पादन करने, गंभीर कांडों के फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा थाना सिरिस्ता के सभी पंजीयों को अद्यतन रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

सेवा और मित्रता इनर व्हील क्लब का मुख्य उद्देश्य है

दैनिक बिहार पत्रिका

गया।इनर व्हील क्लब ऑफ गया के बैनर तले इनर व्हील क्लब की सभी महिलाओं ने मिलकर मनाया पिकनिक। सेवा और मित्रता इनर व्हील क्लब का मुख्य उद्देश्य है। पूरे वर्ष क्लब द्वारा शहर की विभिन्न स्थानों में मुख्य रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए हित में कार्यक्रम किए जाते हैं।मित्रता को बढ़ावा देने हेतु क्लब सदस्यों , मित्रों और परिवार के साथ एक पिकनिक का आयोजन किया गया है 1 संबोधी रिजॉर्ट में जाकर सभी ने मिलकर हाऊजी गेम तथा स्वादिष्ट व्यंजनों का मजा लिया है ।इससे पता चलता है कि हमारी इनर व्हील क्लब की महिलाएं ना की जरूरतमंदों को जरूर की चीज पहुंचती हैं बल्कि खुद के लिए भी मस्ती और खुशियां ढूंढ ही लेती हैं ।कहां भी जाता है कि पहले खुद को स्वस्थ रखो तो आप दूसरों को स्वस्थ रहने की सलाह द सकेंगे ।तो खुद खुश रहो और दूसरों को भी खुश रखें ।इस पिकनिक में कई पीडीसी, पदाधिकारी, सदस्य , मित्र और परिवार के लगभग 80 लोग शामिल सदस्य हुए हैं।

समस्तीपुर में आधा दर्जन थानाध्यक्ष का तबादला,कई लाईन हाजिर

समस्तीपुर । एसपी अशोक मिश्रा ने जिले के कई थानाध्यक्षों का मंगलवार की देर शाम तबादला कर दिया है।वहीं कई को पुलिस केन्द्र समस्तीपुर बुला लिया गया है। पुलिस निरीक्षक पिंकी प्रसाद को अंचल पुलिस निरीक्षक दलसिंहसराय बनाया गया।पुलिस निरीक्षक मनोज कुमार अंचल पुलिस निरीक्षक रोसरा, अंचल पुलिस निरीक्षक शिवकुमार यादव को नगर थानाध्यक्ष बनाया गया है।पुलिस निरीक्षक अजीत प्रसाद सिंह को थाना अध्यक्ष मुफस्सिल भेजा गया।पुलिस निरीक्षक इरशाद आलम पुलिस निरीक्षक सह थाना अध्यक्ष दलसिंहसराय भेजा गय है। पुलिस निरीक्षक लाल बाबू प्रसाद को पुलिस निरीक्षक सह थाना अध्यक्ष रोसरा थाना। पुलिस निरीक्षक अकमल खुर्शीद को पुलिस केंद्र समस्तीपुर। पुलिस निरीक्षक आशुतोष कुमार को पुलिस केंद्र ।पुलिस निरीक्षक राकेश कुमार रंजन को पुलिस केंद्र । पुलिस निरीक्षक मुकेश कुमार मंडल को पुलिस केंद्र। पुलिस निरीक्षक नीरज तिवारी आंचल पुलिस निरीक्षक सदर अंचल। पुलिस अवर निरीक्षक संजय कुमार सिंह थाना अध्यक्ष उजियारपुर थाना। पुलिस अवर निरीक्षक संतोष कुमार यादव थाना अध्यक्ष चकमेहसी थाना। पुलिस अवर निरीक्षक मुकेश कुमार को पुलिस केंद्र।पुलिस अवर निरीक्षक दिव्या ज्योति कुमारी को थाना अध्यक्ष अंगार घाट थाना।पुलिस अवर निरीक्षक राहुल कुमार को थाना अध्यक्ष हलई थाना।पुलिस अवर निरीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह को थाना अध्यक्ष पूसा थाना।पुलिस अवर निरीक्षक ओमप्रकाश कुमार को थाना अध्यक्ष करपुरीग्राम बनाया गया है

तीन दिवसीय राजकीय मंदार महोत्सव सह बौंसी मेला का आगाज, मेले में उमड़ी

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। मंदार महोत्सव सह राजकीय मेला होने के कारण जिला प्रशासन की ओर से बौंसी मेले को दुल्हन की तरह सजाया गया है। मेले में दिनभर सैलानियों की भारी भीड़ लगी रही। मंगलवार संध्या चार बजे मेले का विधिवत उद्घाटन प्रभारी मंत्री, बाँका-सह-खेल मंत्री, बिहार सरकार सुरेन्द्र मेहता, दिलीप जायसवाल राजस्व और भूमि सुधार मंत्री, बिहार सरकार ने किया। सबसे पहले मंदार खेल महोत्सव का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयंत राज मंत्री, भवन निर्माण मंत्री, बिहार सरकार एवं मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय सांसद गिरधारी यादव, राम नारायण मंडल विधायक बाँका, मनोज यादव विधायक, बेलहर, भूदेव चौधरी विधायक, धोरैया, डॉ० निक्की हेम्ब्रम विधायक,कटोरिया, नीतू हेंब्रम प्रखंड प्रमुख, बौंसी, कोमल भारती मुख्य पार्षद, नगर पंचायत, बौंसी उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे। उद्घाटन के मौके पर उप विकास आयुक्त एवं एसपी उपेन्द्र नाथ वर्मा सहित अन्य पुलिस प्रशासन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। मंत्रियों के द्वारा सबसे पहले ग्राम श्री मेला का उद्घाटन किया गया, वहां से पैदल चलकर सभी मुख्य गेट समीप पहुंचकर फीता काटकर उद्घाटन किया गया, इसके बाद व्यंजन मेला और मुनेश्वर कृषि उद्योग प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद मुख्य मंच पर पहुंचे। जहां दीप प्रज्वलित कर मंदार महोत्सव 2025 का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त के द्वारा लोगों को संबोधित करते हुए मंदार महोत्सव की विधि व्यवस्था के बारे में अवगत कराया गया। इनके बाद कोमल भारती मुख्य पार्षद, नगर पंचायत, बौंसी के द्वारा भी संबोधित करते हुए बिहार सरकार से आग्रह कर कहा की बौंसी मेले को तीन दिवसीय से बढ़ा कर पांच दिवसीय किया जाये। इनके बाद नीतू हेंब्रम प्रखंड प्रमुख, बौंसी ने भी मंच से लोगों को संबोधित किया। जिसके बाद भूदेव चौधरी विधायक, धोरैया ने भी अपने संबोधन में कहा की 'जो भरा नहीं है भावों से जिसमें बहती रसदार नहीं, वह ह्रदय नहीं वह पत्थर है। जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।' उन्होंने कहा कि मैं आपके बीच का हूं। लंबे दोनों से मैं इस मंच पर आता रहा हूं। मंच के बाद भी इलाके के लोगों से मेरा संपर्क जारी रहा है। इस प्रखंड के लोग भी मुझे नजदीक और करीब से जानते हैं। यह मेला का कोई राजनीतिक मंच नहीं है और ना यह धार्मिक मंच है यह मंच रोमांस का मंच है मुस्कुराहट का मंच है आनंद का मंच है भारतीय और भारतीयों की संस्कृति और सभ्यता का मंच है। इसलिए मैं राजनीतिक बातों की चर्चा नहीं करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मंदार महोत्सव का इंतजाम तो बहुत ही काबिले तारीफ है। बहुत ही शांति प्रिय है। उन्होंने कहा की बौंसी मेला की अपनी एक मर्यादा और गरिमा है। इस मंदार महोत्सव का प्राचीन इतिहास रहा है। मंदार महोत्सव के व्यवस्था में कमी नहीं है परंतु मंदार महोत्सव के उद्घाटन का समय बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उद्घाटन 10:00 बजे से 11:00 बजे के बीच कीजिए। साथ ही उन्होंने कहा कि कोई भी जन प्रतिनिधि क्यों ना हो वह सब का सम्मान होना चाहिए। उनका भी एक दीर्घा होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि मैं आते ही पूछा कि पत्रकार किस दीर्घा में बैठे हैं। उन्हें कोई जवाब ना मिला।

इस पर उन्होंने कहा कि पत्रकार की अपनी गरिमा और मर्यादा होती है। उनका भी सम्मान होना चाहिए। इसलिए उनका भी दीर्घा होना चाहिए। पत्रकार को चौथा स्तंभ कहा गया है।

अंत में उन्होंने कहा कि यूं ही शाख से पत्ते गिरा नहीं करते जो बिछड़ जाते हैं वह मिला नहीं करते जो मौसम आया है उसे इस्तेमाल करो गुज़रे दिनों को कोई गिना नहीं करते। इसके बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भवन निर्माण मंत्री जयंत राज कुशवाहा ने कहा की मेरा घर यही है और हम लोग बचपन से मंदार महोत्सव का मेला को देखते आए है। पहले की तुलना में अभी मेला का काफी विस्तार हुआ है। कृषि के क्षेत्र में काफी काम हुआ है। यह सब नीतीश कुमार के द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा की जल्द ही बांका जिले को मेडिकल कॉलेज मिलने जा रहा है। वहीं बांका सांसद गिरधारी यादव ने कहा की बांकाऔर बिहार में जो भी विकास हुआ है नीतीश कुमार ने किया। चाहे उनके साथ भाजपा या राजद रहे। लेकिन विकास नीतीश कुमार के हाथों से हुआ है। कार्यक्रम की शुरुवात हरिमोहरा स्कूल के बच्चियों द्वारा संथाली नृत्य एवं अद्वैत मिशन की छात्राओं द्वारा गणेश बंदना से की गयी। जिला प्रशासन की ओर से आगंतुक अतिथियों को अंग वस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिले भर के प्रसासनिक पदाधिकारी सहित गणमान्य लोग मौजूद थे।

दूरदराज से आए श्रद्धालु

ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टिकोण से सुप्रसिद्ध मंदार पर्वत में लगने वाले मेले में दूरदराज के श्रद्धालुओं की काफी भीड़ लगी रही। मेले को लेकर जगह-जगह जिला प्रशासन ने पुलिस प्रशासन की तैनाती की है। मंदार हिल पापहरणी सरोवर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। 14 जनवरी मकर सक्रांति को लेकर पापहरणी सरोवर में स्नान करने के लिए सुबह से ही सैलानियों की काफी भीड़ लगी रही। बौंसी मेला में दिन भर लोगों की भारी भीड़ रही। श्रृंगार सामानों से लेकर खेल तमाशा और वाले इलाकों में काफी भीड़ देखने को मिली। मेला में प्रदर्शनी के तौर पर कृषि उत्पादन के साथ कृषि यंत्रों को भी लगाया गया है।

सुरक्षा के हैं पुख्ता इंतजाम

कार्यक्रम शुरू होने के पूर्व, डीएम अंशुल कुमार एंव एसपी उपेन्द्र नाथ वर्मा ने मेला में तैनात किये गए सभी कर्मी दंडाधिकारी और सुरक्षा बल को अपनी ड्यूटी पर हमेशा मुस्तैद रहने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी से कहा ही मेला की ड्यूटी से अनुपस्थित पाये जाने पर बड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं कैमरा से मेला पर नजर लगातार नजर रखई जा रही है।

भगवान मधुसूदन की निकली गयी भव्य शोभायात्रा

दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। मंदार क्षेत्र में राजा की तरह विराजमान करने वाले भगवान मधुसूदन की शोभायात्रा मंगलवार को गाजे बाजे के साथ धूमधाम से निकाली गयी। आकर्षक गरुड़ रथ पर विराजमान कर पंडितों के साथ-साथ श्रद्धालुओं की टोली उन्हें मंदार तराई स्थित फगडोल मंदिर तक ले जाया गया। मकर संक्रांति के मौके पर प्रत्येक वर्ष भगवान की शोभायात्रा निकाली जाती है।

जानकारों की मानें तो इस शोभायात्रा का बौंसी मेले से काफी पुराना जुड़ाव है। कहा जाता है कि विष्णु रूपी भगवान मधुसूदन द्वारा राक्षस मधु को दिये वरदान के कारण हर वर्ष मंदार जाने का काम भगवान करते हैं। पांच दशक से भी अधिक समय से वहां पर भगवान मधुसूदन की शोभायात्रा निकाली जा रही है। मंगलवार को दोपहर करीब 2 बजे के आसपास भगवान मधुसूदन को गर्न गृह से गोद में लेकर पुजारी ने निकला और गरुड रथ पर विराजमान किया, आगे- आगे संकीर्तनों को टोली, बैंड पार्टी के साथ-साथ भारी संख्या में सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मी भी चल रहे थे। दो घंटे की यात्रा के बाद श्रद्धालुओं को दर्शन देने के साथ मंदार तराई के पीछे स्थित अवंतिका नाथ फराडोल मंदिर पहुंची। जहां दर्शन देने के बाद वापस मधुसूदन मंदिर जाकर यात्रा समाप्त हुई। मालूम हो कि मकर संक्रांति की दूसरे दिन से ही भगवान मधुसूदन की खिचड़ी का भीग चढ़ाया जाता है। मकर संक्रांति के दिन पंचामृत स्नान के बाद भगवान की दारी, चूड़ा, दूध, तिलकुट का भौग लगाया गया। जबकि दूसरे दिन से उन्हें खिचड़ी का भोग लगता है, जो एक माह तक अनवरत चलता रहता है।

पत्नी कि मौत पर कानून शिकंजे से बचने के लिए पति ने मौत को लगाया गले

कम उम्र में किया शादी

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। प्रखंड के सुईया थाना अंतर्गत ढकना गांव से एक बड़ी ह्रदय विधायक घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ढकना गांव के नागेश्वर यादव के पुत्र हीरालाल यादव अपनी पत्नी कि मौत पर कानून के डर से भागकर मंगलवार शाम करीब 6:00 बजे मौत को गले लगा लिया है।सूत्रों से मेरी जानकारी के अनुसार 19 वर्षीय हीरालाल यादव की पत्नी सोमवार को घरेलू विवाद को लेकर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी थी। फांसी लगाने के बाद परिवार वाले सहित मृतिका कि पति हीरालाल यादव घर छोड़कर फरार हो गया था। जिसके बाद मृतिका की परिवार ने दोनों तरफ के बीच समझौता कर मामले को रफा दफा कर अंतिम संस्कार कर दिया । लेकिन मृतिका के पति कानून के भय से छीपकर रहा। बताया जा रहा कि समझौता होने की जानकारी हीरालाल यादव को नहीं थी। इसके बाद हीरालाल यादव ने गांव से कुछ दूर जंगल में कानून के भाई से पेड़ में झूल कर अपनी जान दे दी। जिसकी सूचना स्थानीय लोगों के द्वारा परिजनों को देने के बाद मृतक का शव शिनाख्त किया गया। शव को देखने के लिए काफी लोगों के भीड़ जुट गई है। इस संबंध में सुईया थाना अध्यक्ष विशाल कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी हुई है। पुलिस जांच कर रही है। घटना को लेकर परिजन रो-रो कर बुरा हाल है।

बांका: दो दिवसीय झरना मेला का विधायक ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया विधिवत शुभारंभ

दैनिक बिहार पत्रिका

फुल्लीडुमर/बांका। प्रखंड के सादपुर पंचायत अंतर्गत झरना में मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 जनवरी 2025 को झरना देवी के वन प्रांगण में लगने वाले मेले का विधायक मनोज यादव द्वारा प्रखंड प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं मेला समिति के सभी सदस्यों के मौजूदगी में मेले का उद्घाटन फीता काटते हुए एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन पूर्व विधायक मनोज यादव को मेला समिति के सभी सदस्यों द्वारा बुके देकर एवं फूलों कि माला पहना हुए गर्म जोशी से स्वागत किया गया। मेला उद्घाटन के मौके पर मंच पर उपस्थित जिला परिषद सदस्य विश्वजीत दीपांकर,वीडियो कृष्णा कुमार, अमरपुर थाना अध्यक्ष पंकज झा, प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष सह कैथा पंचायत के मुखिया चंदन कुमार, पंचायत के मुखिया मंदोदरी देवी, अंगद कुशवाहा सहित अन्य को भी बुके देते हुए माल्यार्पण कर मेला समिति के सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया। इस मौके पर उपस्थित बेलहर विधायक मनोज यादव ने अपने संबोधन भाषण में बताया कि विगत तीन वर्षों से मैं लगातार मकर संक्रांति के इस शुभ अवसर पर झरना मेला के नाम से प्रख्यात झरना वनदेवी के प्रांगण में आ रहा हूं जिससे मुझे अपार खुशी होती है। आगे उन्होंने कहा कि यहां बहुत पौराणिक अष्टावक्र की पुण्यस्थली रही है साथ ही महेंद्र गोप की धरती भी रही है। इन्होंने कहा कि जब मैं पहली बार इस झरना मेला के प्रांगण में आए हुए थे यहां पर किसी प्रकार की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। स्थानीय प्रशासन की ओर से भी किसी प्रकार की सुविधा मुहैया नहीं कराया जा रहा था। आज स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय प्रखंड प्रशासन के अलावे मेरे द्वारा भी इस मेले में कई प्रकार की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। यहां पर बिजली की समस्या के बारे में समिति के सदस्यों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा बराबर समस्याओं के समाधान को लेकर मांग कि जा रही थी। जिस पर मेरे द्वारा संज्ञान लेते हुए यथासंभव समस्या का समाधान किया गया। आगे विधायक द्वारा यह भी बताया गया कि वन विभाग के क्षेत्र में सड़क निर्माण को लेकर जिला पदाधिकारी डीएफओ से लगातार बातचीत कर रहे हैं। विगत वर्ष आने के पूर्व इस मेले को चारों तरफ से निश्चित रूप से रोड उपलब्ध करा दी जाएगी ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को इस वनदेवी का दर्शन एवं झरना मेला का आनंद लेने में काफी मदद मिलेगी। विधायक मनोज यादव द्वारा अपने संबोधन भाषण में एक बहुत मुख्य बात मेले को राजकीय मेला का दर्जा दिलाने कि भी बात कही गई जिसको लेकर लगभग सभी कार्य हो चुका है। आगे विधायक ने अगले वर्ष हर हाल में इस मेले को राजकीय मेला का दर्जा दिलाने का वादा किया। वहीं इस मौके पर वीडियो कृष्णा कुमार, अमरपुर थाना अध्यक्ष पंकज कुमार, जिला परिषद सदस्य विश्वजीत दीपांकर, मेला समिति के अध्यक्ष संजय मंडल, मेला समिति के सचिव सह मेला संवेदक उपेंद्र प्रसाद यादव, संबंधित पंचायत के मुखिया मंदोदरी देवी, मुखिया प्रतिनिधि मृत्युंजय कुमार, अंगद कुशवाहा, निरंजन यादव, पंसस बबीता देवी, मेला समिति के सभी सदस्य, प्रखंड स्तर से प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, त्रिलोकी महतो, फुल्लीडुमर के पूर्व प्रमुख भानु प्रताप के अलावे काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पुलिस ने विभिन्न जगहों से अवैध चुलाई शराब के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। बांका थानान्तर्गत तुलसी विवाह भवन के समीप प्र0स0अ0नि0 कुमार गौरव उत्पाद थाना बाँका के नेतृत्व में एक वाहन(मोटरसाईकिल) सवार अभियुक्त संतोष कुमार, पिता0-इंदु साह, घर0-पुरानी बस स्टैंड, थाना-बांका, जिला-बांका, उम्र-22वर्ष करीब को कुल-14.000 लीटर अवैध चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। दूसरी ओर अमरपुर थानान्तर्गत कटरा नहर के समीप सड़क किनारे प्र0स0अ0नि0 अश्वनी कुमार पासवान उत्पाद थाना बाँका के नेतृत्व में एक वाहन(मोटरसाईकिल) सवार अभियुक्त सचिन यादव, पिता0-स्व0-अवधेश यादव, घर0-बलुआ, थाना-अमरपुर, जिला-बाँका, उम्र-21वर्ष करीब को कुल-45.000 लीटर अवैध चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। साथ ही शराब सेवन के आरोप में कुल-01व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ से वे जुर्माना देकर मुक्त किय गये।

आवास योजना में नए नाम जोड़ने को लेकर बीडीओ ने की बैठक

बिचोलिए पर कड़ी नजर रखने का दिया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका

विद्यापतिनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए नए लाभुकों की सूची तैयार करने को लेकर बुधवार को प्रखंड कार्यालय में बीडीओ महताब अंसारी की अध्यक्षता में प्रखंड क्षेत्र के मुखिया के साथ बैठक की गई, जिसमें पीएम आवास योजना 2.0 के लिए नये लाभुकों का नाम जोड़ने पर चर्चा की गई। हालांकि आहूत बैठक में अधिकांश पंचायतों के मुखिया उपस्थित नहीं हुए, जो चर्चा का विषय बना रहा। बैठक में बीडीओ ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 में आवास योजना का लाभ देने के लिए सुयोग्य लाभार्थियों का 31 मार्च तक सर्वे करने का निर्देश प्राप्त हुआ है, लेकिन प्रखंड कार्यालय द्वारा फरवरी के अंतिम सप्ताह तक सर्वेक्षण कर लेने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित कर्मी पंचायत के सभी वार्डों में जाकर योग्य लाभार्थी को चिन्हित कर सूचीबद्ध करेंगे। तत्पश्चात ग्रामसभा से अनुमोदन के बाद प्राथमिक सूची तैयार की जायेगी। लाभार्थी का राशन कार्ड, पति-पत्नी का आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं जमीन का रसीद प्राप्त कर प्राथमिकता के आधार पर लाभार्थी का सूची तैयार करेंगे। पक्का मकान वाले या तय मापडंड के विरुद्ध किसी व्यक्ति का सूची में नाम नहीं जोड़ने का निर्देश दिया। बीडीओ ने कहा कि सर्वेक्षण कार्य या प्राथमिक सूची तैयार करने में किसी भी प्रकार का अवैध उगाही नहीं हो इसपर सभी मुखिया विशेष नजर रखें, यदि कोई व्यक्ति किसी प्रकार की वसूली करता है, तो उसपर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान कई पंचायत के मुखिया ने सूची तैयार करने को लेकर समस्याओं से अवगत कराया और आवश्यक बिंदुओं पर मार्गदर्शन लिया। बैठक में कार्यक्रम पदाधिकारी संजय कुमार सिन्हा, मुकेश कुमार, संजीत कुमार सहनी, विजय कुमार राय आदि मौजूद थे।

फोटोः बैठक में उपस्थित मुखिया एवं बीडीओ

एक नज़र इधर भी

मकर संक्रांति महोत्सव के अवसर पर कई प्रतियोगिताएं आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/वैशाली

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन, वैशाली के संयुक्त तत्वावधान में मकर संक्रांति महोत्सव के अवसर पर 15 जनवरी 2025 को राज्य संपोषित बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,हाजीपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन उप विकास आयुक्त कुंदन कुमार , एडीएम (आपदा) अरुण कुमार सिंह और जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी शालिनी शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त कुंदन कुमार ने अपने संबोधन में कहां कि मकर संक्रांति उत्सव का एक खास महत्व है। उत्सव जीवन में उत्साह भरते हैं। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से हम सभी अपनी संस्कृति की खूबसूरती को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में जो भी प्रतिभागी विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं ,उन्हें बहुत शुभकामनाएं है। आप अच्छा प्रदर्शन करें और प्रतियोगिता का आनंद लें। इस अवसर पर जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी श्री नीरज ने कहा कि मकर संक्रांति का वैज्ञानिक महत्व भी है। सूर्य धीरे-धीरे उत्तरी गोलार्ध की ओर झुकता है। इससे दिन बड़े और रातें छोटी होने लगती हैं। मकर संक्रांति से शीत ऋतु का अंत और वसंत ऋतु की शुरुआत होती है। इस कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी, हाजीपुर, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, हाजीपुर एवं अन्य पदाधिकारी सहित शिक्षक ,जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए प्रतिभागी एवं छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया । सर्वप्रथम राज्य संपोषित बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति की गई । इस अवसर पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में प्रीति कुमारी एवं आरती कुमारी ने प्रथम, सृष्टि राज एवं संध्या कुमारी ने द्वितीय तथा सोनम कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में आकांक्षा चौहान ने प्रथम, सुप्रिया द्वितीय तथा स्नेहा कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पतंगबाजी प्रतियोगिता में चांदनी प्रवीण प्रथम, चांदनी कुमारी द्वितीय तथा जिज्ञासा कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त । इस अवसर पर राज्यस्तरीय युवा उत्सव के प्रतिभागियों ने भी समूह लोकगीत, एकल लोकगीत,शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत कविता पाठ,समूह लोकगीत , एकल लोकगीत, शास्त्रीय नृत्य ,शास्त्रीय गायन, लोक नृत्य एवं वाद्य वादन की प्रस्तुति में जिले के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर आयोजित भोज में प्रतिभागियों सहित उपस्थित लोगों ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इनर व्हील क्लब गया सनराइज द्वारा तिलकुट, चूड़ा वितरण

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। इनर व्हील क्लब गया सनराइज ने मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर अन्नपूर्णा महिला भिक्षुक गृह, बोधगया में तिलकुट और चूड़ा का वितरण किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं की मदद करना और समाज में मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर क्लब की सक्रिय सदस्य डॉ. दीप्ति कव्या ने वहां की महिलाओं को मुफ्त चिकित्सा परामर्श और आवश्यक दवाएं भी प्रदान कीं गई है। उन्होंने महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याओं को ध्यान से सुना और उचित इलाज के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया है। क्लब की अध्यक्ष डॉ तेजस्वी नंदन ने कहा, "हमारा प्रयास है कि समाज के कमजोर वर्गों को सहारा दें और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं। त्योहार के इस अवसर पर यह आयोजन हमारे इसी उद्देश्य का हिस्सा है।"इस मौके पर क्लब की अन्य सदस्य डॉ सादिया सूरी एवं डॉ निभा जेएन भी उपस्थित थी। अन्नपूर्णा महिला भिक्षुक गृह में निवास कर रहीं महिलाओं ने इस प्रयास के लिए क्लब का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की मदद से उन्हें न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी प्रोत्साहन मिलता है।इनर व्हील क्लब गया सनराइज के इस नेक कार्य की सराहना की जा रही है। क्लब ने समाज के प्रति अपनी सेवा और समर्पण की मिसाल पेश की है।

सड़क दुर्घटना में दंपति के मौत से क्षेत्र में मातमी सन्नाटा, पुत्र का हाल बेहाल

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल। जिले की भीमपुर थाना क्षेत्र के सुरसर नदी के समीप बुधवार की सुबह सड़क दुर्घटना में शिक्षिका दंपति के मौत से क्षेत्र के आसपास मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। वहीं घटना के बाद मृतक के एकलौते पुत्र का हाल बेहाल है। जहाँ माता पिता का अपने सिर से साया छूटने के बाद बहुत आहत है और घटना के बाद स्तब्ध हालात में है। बताया जा रहा है कि दोनो दम्पति बहुत ही व्यवहारिक थे और हर किसी से अच्छे संबंध थे। यही कारण है कि दोनों की मौत की खबर से क्षेत्र के लोग आहत हैं। इधर, पांच घंटे के लंबी जाम के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई और लोग परेशान दिखे। हालांकि इस जाम में लोगों ने एम्बुलेंस को नहीं रोका और जाने दे दिया। लेकिन राहगीरों में परेशानी देखने को मिली।

मृतिका शिक्षिका फूल कुमारी 18 वर्षों से विद्यालय में दे रही थी सेवा

भीमपुर थाना क्षेत्र के वार्ड 11 में बुधवार को एनएच 27 पर सड़क हादसे में हुई मौत में मृतका शिक्षिका 45 वर्षीय फूलकुमारी देवी पिछले 18 वर्षों से लक्ष्मीनिया पंचायत के प्राथमिक विद्यालय टेंगरी में शिक्षिका के पद पर सेवा दे रही थी। वही उनके पति 52 वर्षीय कृष्ण मोहन चौधरी गृहस्थ के साथ घर की देखभाल करते थे। दोनो को एक पुत्र ऋत्विक कुमार और दो पुत्री प्रीति कुमारी व बेटी बेबी कुमारी थी। बड़ी पुत्री प्रीति कुमारी शादीशुदा है जबकि छोटी पुत्री बेबी कुमारी उर्फ कोमल मैट्रिक की छात्रा है। जबकि 18 वर्षीय पुत्र ऋत्विक कुमार ग्रेजुएशन प्रथम वर्ष सहित सुपौल से आईटीआई के छात्र है। बुधवार को उनका बीए पार्ट वन का परीक्षा था। इधर, शिक्षिका फूलकुमारी पति कृष्ण मोहन के मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ था। वही एक साथ पति पत्नी का शव देखकर घटनास्थल पर मौजूद लोगों की आंखे भी नम थी। इस बीच घटना के बाद मौके पर पहुंची प्रखंड शिक्षा

पदाधिकारी प्रभा कुमारी ने बताया कि घटना बहुत ही आहत करने वाली है। मृतक के परिजनों को विभाग की ओर से हर संभव मदद का किया जाएगा। साथ ही इससे संबंधित जो भी कार्य है उसका निर्वहन किया जाएगा।

पूर्व राजद प्रत्यासी सह अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने मृतक परिवार को मुआवजे देने की मांग।

इधर, सूचना पर घटनास्थल पर पहुंचे पूर्व राजद प्रत्याशी सह प्रदेश अध्यक्ष अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के डॉ बिपिन कुमार सिंह ने परिजनों से बातकर प्रशासन से मृतक के परिजनों को उचित मुवावजा व उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिलाने की भी मांग की।

उन्होंने कहा कि लोगो का आरोप है कि पूर्व में हुई सड़क हादसे में हुई मौत पर कितने मृतक के परिजनों को मुवावजा अब तक नहीं मिला है। उन्होंने जिला प्रशासन से अपील किया है कि पूर्व में व वर्तमान जो भी सड़क हादसे में मौत हुई है। उनके परिजनो को बिना शर्त मुवावजे की राशि दिया जाय।

ग्रामीणों ने पुलिस पर लगाये वसूली का आरोप।

इधर, घटनास्थल पर पहुंचे आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस को आड़े हाथ लिया। समझाने पहुंचे बीडीओ व सीओ को ग्रामीणों ने भीमपुर थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार पांडेय के समक्ष खड़ी खोटी सुनाई। ग्रामीणों का कहना था कि घटना के समय पुलिस की गाड़ी घटनास्थल के कुछ दूरी पर स्थित सीमांचल होटल के समीप खड़ी थी और पिकअप व अन्य गाड़ियों से अवैध वसूली करने में जुटी थी। ग्रामीणों ने बताया कि आयेदिन भीमपुर पुलिस की गाड़ी सीमांचल होटल के समीप लगाकर पिकअप व अन्य वाहनों से पांच सौ रुपया तक वसूलती है। हालांकि बात बढ़ने के बाद कुछ लोगों ने फिलहाल इसपर ध्यान न देते हुए घटना के विषय पर बात करना मुनासिब समझे और आगे की प्रक्रिया में जुट गए।

मस्जिद की जमीन को बिना आम सहमति के संवेदक चुपचाप रातो रात जेसीबी मशीन से खोदा गड्ढा

ग्रामीणों की शिकायत पर डीसीएलआर ने निर्माण कार्य पर लगाया रोक

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल जिले के सदर प्रखंड के बलहा पंचायत स्थित नुनूपट्टी गांव मे मस्जिद निर्माण स्थल को लेकर एक ही धर्मालंबियों के बीच विवाद पैदा हो गया है।मंगलवार को ग्रामीणो ने एकजुट होकर पुराने स्थल पर हो रहे मस्जिद के नवनिर्माण पर एतराज जताया ओर तत्काल कार्य को रोक दिया । आक्रोशित ग्रामीणो का आरोप था की बिना आम सहमति के संवेदक चंद लोगो को प्रलोभन देकर चुपचाप रातो रात जेसीबी मशीन लगाकर नीव लेने के लिये गड्ढा खोद लिया,इसकी सूचना जब लोगों को मिली तो एकजुट होकर विरोध जताने लगे।इसकी सूचना पाकर गांव पहुंचे सदर एसडीएम कुमार इन्द्रवीर ने ग्रामीणों की बात सुनी ओर कहा कि इबादत की जगह कभी किसी की व्यक्तिगत संपत्ति नही हो सकती है। वह पूरे समुदाय की संम्पति है और समाज के लिए धरोहर है । उन्होंने ग्रामीणो को भरोसा दिलाया की मस्जिद का निर्माण हरहाल मे सभी ग्रामीणों के सहमति से होगा ।

अपर्याप्त है मस्जिद निर्माण के लिए जमीन

ग्रामीणों के अनुसाए, हाईवे निर्माण होने की वजह से, पुराने जगह पर मात्र चौदह घुर जमीन शेष बचा हुआ है। जबकि नुनूपट्टी गांव मुस्लिम बाहुल्य गा है। पुराना मस्जिद जुमा के नमाज और अन्य विशेष आयोजन पर नवाजी की संख्या की वजह से छोटा पर जाता था।खासकर रमजान के महीने में यह समस्या बढ़ जाती थी।सड़क निर्माण की वजह से अब जो जगह बच रहा है वह मस्जिद निर्माण के लिए नाकाफ़ी है। खास कर तराबी के समय जब छोटे- छोटे बच्चे मस्जिद आते है तो सामने सड़क रहने के कारण दुर्घटना की संभावना बनी रहती थी। अब जब सड़क हाइवे हो गया है और मस्जिद का जगह छोटा हो गया है तो ऐसे मे भविष्य की सुरक्षा को ध्यान मे रखकर ही निर्माण करवाना उचित होगा। युवा मो दीप,मो अलाउद्दीन, मो जुवेर, मोहम्मद खुर्शीद, शमीम मो अजहर,मो गब्बर, मो, रिजाउल, मोहम्मद राजा , मो कलम ,मो, ल्ललू सहीत अन्य ने कहा की हाईवे पर आवागमन शुरू होने के बाद जगह कम रहने के कारण मस्जिद के सामने पार्किंग का कोई विकल्प नही है ।जबकि ,मस्जिद का गेट हाईवे का चौराहा है जिससे भविष्य मे गंभीर समस्या उत्पन्न होगी।

ग्रामीणों ने की सात कट्ठा जमीन की व्यवस्था

ग्रामीणों के अनुसार, गांव के मध्य में संयुक्त प्रयास से लगभग सात कट्ठा जमीन की व्यवस्था मस्जिद निर्माण के लिए की गई है ।यह जमीन सभी दृष्टिकोण से मस्जिद निर्माण के लिए उपयुक्त है। लेकिन, चंद लोग निजी स्वार्थ वश पुराने स्थान पर ही मस्जिद निर्माण कराना चाहते हैं जबकि बहुसंख्यक लोग पुराने स्थल के ख़िलाफ़ हैं। एसडीएम कुमार इंदवीर के निर्देश पर भूमि सुधार उप समाहर्ता अली एकराम ने नुनूपट्टी पहुंच कर ग्रामीणो से बातचीत किया। ग्रामीण ने कहा कि मस्जिद की नई जगह बीच बस्ती मे रहने के कारण नमाजियो को मस्जिद आने जाने मे सुविधा होगी।जगह पर्याप्त रहने के कारण बडा ओर भव्य मस्जिद का निर्माण हो सकेगा । पार्किंग की समस्या भी नही रहेगी। वही अगर भविष्य मे हाइवे का विस्तार होता है तो मस्जिद का अस्तित्व भी बना रहेगा। ग्रामीणों की शिकायत पर भूमि सुधार उप समाहर्ता ने तत्काल मस्जिद निर्माण के संवेदक को फोन कर बिना स्थानीय ग्रामीण की सहमति के कार्य नही करने का निर्देश दिया। वही संवेदक ने कहा की ग्रामीणों की आपत्ति के बाद दो दिन पूर्व ही काम बंद करवा दिया गया है। बीती रात गांव के ही कुछ असामाजिक तत्वो के द्वारा जेसीबी लाकर पुराने स्थल पर मिट्टी खोदने का कार्य करवाया गया है।

जियो मार्ट डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक शोरूम का विधिवत किया उद्घाटन

सोनवर्षा राज /सहरसा। नगर पंचायत सोनवर्षा स्थित जेपी चौक के निकट जियो मार्ट डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक शोरूम का उद्घाटन मंगलवार को नगर पंचायत अध्यक्ष मनीष कुमार व जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज रजक ने फीता काट कर किया।मौके पर शोरूम संचालक मिक्की जायसवाल ने बताया कि यह स्टोर एक ही छत के नीचे कस्टमर को सभी सुविधाएं दे रही है।जिसमें फाइनेंस और ईएमआई सहित सर्विस की सारी सुविधाएं उपलब्ध है। जियो मार्ट डिजिटल के तहत अपने नए इलेक्ट्रॉनिक रिटेल स्टोर प्रारूप की फ्रेंचाइजी के रूप में संगठित रिटेलर, रिलायंस रिटेल के साथ साझेदारी की है ।यहां ग्राहकों को लांचिंग के साथ मोबाइल का कोई भी ब्रांड सेम डे दी जाने की व्यवस्था है।यहां सभी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक समान ऑनलाइन मूल्य से भी कम कीमत पर उपलब्ध होगा।मौके पर कंपनी के राहुल रंजन,चंदन कुमार,पैक्स अध्यक्ष बुलबुल सिंह,डिंपल विश्वास,आशीष जयसवाल,बिपलभ विश्वास,विक्की सिंह,रघु कुमार, नागों कुमार आदि मौजूद थे।

जिलाधिकारी ने वैशाली कला मंच के उन्नयन के लिए रंगकर्मियों के साथ की बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका

शहर में कला एवं संस्कृति के विकास के लिए जिला प्रशासन ने विशेष पहल की है। जिलाधिकारी यशपाल मीणा की पहल पर कला और रंगमंच के विकास के लिए बुधवार को समाहरणालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष में स्थानीय रंगकर्मियों, जन प्रतिनिधियों, साहित्यकारों के साथ बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन अन्य क्षेत्रों की तरह कला और रंगमंच के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। कला के क्षेत्र में वैशाली का एक समृद्ध विरासत है। आम्रपाली टाउन हॉल को सुसज्जित कर और इसे साउंडप्रूफ करते हुए कलाकारों को रिहर्सल और कला प्रदर्शन के लिए शीघ्र उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने इसके लिए नगर के कार्यपालक पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने टाऊन हॉल में बड़ा कला मंच शीघ्र तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि जल्द ही अक्षयवट स्टेडियम में फुटबॉल ग्राउंड, रनिंग ट्रैक आदि बनकर तैयार हो जाएगा। इससे शहर के युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा

निखारने का अवसर प्राप्त होगा। टाऊन हॉल में कलामंच के सदस्यों को बैठने के लिए, कलाकारों के रिहर्सल, वर्कशाप, गोष्ठी आदि के लिए मंच और हाल भी उपलब्ध होंगे। बैठक में स्थानीय विधायक अवधेश सिंह भी मौजूद रहें। बैठक में डीपीआरओ नीरज, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार, वैशाली कला मंच के कार्यकारी अध्यक्ष डा. चंद्रभूषण सिंह शशि, जिला चैंबर आफ कामर्स अध्यक्ष अनिल चंद्र कुशवाहा, उपाध्यक्ष रामानंद गुप्ता, युवा विकास परिषद अध्यक्ष किसलय किशोर, वरीय रंगकर्मी क्षितिज प्रकाश, कलाकार शिवाजी गणेशन, बिट्टल नाथ सूर्य सहित अनेक कलाकार और रंगकर्मी आदि शामिल थे। कलाकारों ने बताया कि शहर में अक्षयवट राय स्टेडियम का वैशाली कला मंच जिले की काफी पुरानी कला संस्थाओं का समूह संस्थान है। इसके जर्जर रहने से शहर में कलाकारों के अभ्यास, कार्यशाला और गोष्ठी आदि में परेशानी हो रही है। वहीं आम्रपाली नगर भवन भी जर्जर होकर प्रस्तुति के लायक नहीं रह गया है। इससे शहर में कला-संस्कृति की गतिविधियां बिल्कुल मंद पड़ रही है। इससे कला-संस्कृति कर्मियों के विकास और प्रोत्साहन में बाधा पहुंच रही है। इस पर जिलाधिकारी ने नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी को निदेश दिया कि टाऊन हॉल का तुरत जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण करा कर रंगकर्म और इससे जुड़े लोगों को उपलब्ध कराएं।बैठक में नगर ईओ ने बताया कि सर्किट हाउस के निकट एक हजार सीट की क्षमता वाले सम्राट अशोक आडिटोरियम निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह भी कलाकारों के लिए उपलब्ध रहेगा।

अधिकारी पर भारी शहर के अतिक्रमणकारी: अतिक्रमण हटाने के बाद फिर से शुरू करने लगा अतिक्रमण

दैनिक बिहार पत्रिका

डेहरी/रोहतास। अतिक्रमण को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कि गई कार्रवाई के बावजूद अतिक्रमणकारीयो का हौसला बुलंद हैं। स्थिति यह हो गई है, कि अतिक्रमण प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण हटाने के बावजूद अतिक्रमणकारी पुनः अतिक्रमण करने लगे हैं, मामला थाना क्षेत्र के शिवगंज का बताया जाता है। जहां मौजा डेहरी थाना नं 161 खाता संख्या 228 खेसरा 1769 रकबा डेढ़ डिसमिल भूमि को शिवगंज वार्ड संख्या 29 निवासी गणेश सिंह व दिनेश सिंह द्वारा अतिक्रमण किया गया था।

इसे लेकर शिवगंज निवासी कमलेश कुमार सिंह ने अधिकारियों से लिखित शिकायत कि थी। जिसके बाद अंचल कार्यालय मे करीब एक साल तक अतिक्रमणवाद कि कारवाई चली। इस दौरान 22 फरवरी 2024 को दोनों कि उपस्थिति मे भूमि कि मापी की। तत्पश्चात अंचलाधिकारी ने कारवाई करते हुए एक सप्ताह पूर्व उक्त भूमि पर बने दूकान परजेसीबी चालाया। हालांकि उक्त दूकान पर पूरी तरह से बुलडोजर नहीं चल पाया। जिसका फायदा अतिक्रमणकारी को मिल गया और एक सप्ताह बाद ही पुनः उक्त भूमि पर अतिक्रमणकारी अतिक्रमण करने लगे। हालांकि अधिकारियों कि सुस्ती चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मामले में सीओ सीबू कुमारी का कहना है कि अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कि गई है। भविष्य मे भी आगे कारवाई की जाएगी।

कृषि प्रदर्शनी में बच्चों के द्वारा सिलाई मशीन से बनाई गयी-सामानों का लगा गया स्टॉल

दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। मंदार महोत्सव 2025 के अवसर पर कृषि प्रदर्शनी मीना बाज़ार बौंसी मेला में जय प्रभा काल्हाज़ोर का स्टॉल लगाया। जिसमें बच्चों के द्वारा सिलाई मशीन से बनाई गयी-सामानों का स्टॉल लगा गया है। बताया गया की यह संस्था निःशुल्क कार्य करती है। ग्रामीणों के लिये फागा पंचायत के काल्हाजोर में स्थापित है। बताया गया की सिलाई कटाई एवं जैविक आर्ट, क्रॉफ्ट तथा वालवाड़ी केन्द 1980 से कार्य कर रही है। मौके पर स्ट्रॉल में शिक्षक राकेश गुप्ता, कविता गुप्ता, उपस्थित रहे।

केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सुजाता अकादमी 31 वां वार्षिक महोत्सव का उद्घाटन

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। गया के डुंगेश्वरी हिल के पास जॉइन टुगेदर सोसाइटी के द्वारा संचालित की जा रही सुजाता अकादमी में 31वां वार्षिक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने फीता काटकर शुभारंभ किया.. सुजाता अकादमी के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी दर्शकों का मन मोह लिया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में वेलकम सॉन्ग से अनेक प्रकार की प्रस्तुति की गई एवं अंत में जॉइंट टुगेदर सोसाइटी के संस्थापक, पोमायूँ सुनिम ने आए हुए सभी दर्शकों को धन्यवाद दिया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि मैं अभी गया का सांसद और केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार में हूं जितना सहयोग हो सकेगा मैं, ज्वाइन टुगेदर सोसाइटी और सुजाता अकादमी को हर संभव मदद करूँगा। केंद्र सरकार के योजनाओं या बिहार सरकार के योजना से जोड़ने का प्रयास करूंगा।उन्होंने कहा कि यही, गया के डुंगेश्वरी हिल में 2500 वर्ष पूर्व महात्मा गौतम बुद्ध ने 6 साल बिताए थे जिनके बाद उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ और एक मध्यम मार्ग पर चलने की संसार में नई पद्धति लाई है।मीडिया को संबोधित करते हुए पूर्व मुखिया शंकर यादव ने बताया कि 31 साल पहले सुजाता अकादमी की नींव रखी गई थी जिसका उद्देश्य दलित - महादलित परिवार के गरीब बच्चों को शिक्षा देना प्राथमिकता है, आज के संदर्भ में इस स्कूल में लगभग 1500 बच्चों को पठन-पाठन की सुविधा दी जा रही है। पूर्व मुखिया शंकर यादव भी इस मिशन से जुड़े हुए हैं और अनेक प्रकार की सहायता देते रहते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सुजाता अकादमी के शिक्षक शिक्षिका, जे-टी-एस के प्रेसिडेंट भिक्खु प्रियापाल, सचिव डॉ कुमारी प्रियंका, सांसद प्रतिनिधि रोमीत कुमार, जिलाअध्यक्ष हम नारायण प्रसाद मांझी,ज्योति पासवान जिला परिषद सदस्य, पूर्व मुखिया शंकर यादव, बंजय कुमार, इंद्रजीत कुमार, अजय कुमार, शंभू कुमार, पवन कुमार, डॉ बी के वर्मा, ए के मिश्रा, बोधगया कुमुद रंजन एवं गया क्षेत्र के कई बौद्ध धर्म के स्वालम्बी लोग मौजूद रहें।

भीषण आग से अमेरिका ही नहीं, दुनिया सबक ले

ललित गर्ग

आज अमेरिका विकास की चरम अवस्था पार कर चुका है। यह आशंका सदैव बनी रही है कि अनियंत्रित विकास एवं प्रकृति विनाश के प्रति समय रहते नहीं चेतने की कीमत सृष्टि के विनाश एवं मानवता के धंस से चुकानी होती है, धरती का पर्यावरण नष्ट हो जाता है। धरती पर मंडराते इसी संकट का प्रतीक है यह आग। बात बहुत ही सीधी सी है कि जब तक प्रकृति डराती नहीं विकास की राहें ऐसे ही बेतहाशा एवं अनियंत्रित आगे बढ़ती रहती हैं।

अमेरिका के लॉस एंजेलिस में जंगल की बेकाबू आग फेलने, भारी तबाही, महाविनाश और भारी जन-धन की क्षति ने साबित किया है कि दुनिया की नंबर एक महाशक्ति भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई है। न केवल अमेरिका के इतिहास में बल्कि दुनिया के इतिहास यह जंगल की आग सबसे भयावह, सर्वाधिक विनाशकारी एवं डरावनी साबित हुई है। आग धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। बल्कि और तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका कारण 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं हैं। ये हवाएं इस आग को और भड़का रही हैं, तबाही का मंजर बन रही है, जिसे रोकना अमेरिका प्रशासन के लिए एक चुनौती बन गया है। अमेरिकी सेना के सी-130 विमान और फायर हेलीकॉप्टर हर संभव कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हवा की गति और आग की लपटों की ताकत के आगे दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के तमाम प्रयास नाकाफी एवं बेबस साबित हो रहे हैं।

अनियंत्रित विकास, पर्यावरण की घोर उपेक्षा एवं भौतिकतावादी सोच इस आग का बड़ा कारण है। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों, सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब 24 लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर-बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। अमेरिका संस्कृतिविहीन देश बनता जा रहा है- यह राष्ट्र भौतिक विकास, पर्यावरण उपेक्षा एवं शस्त्र संस्कृति पर सवार है। वहां के नागरिक अपने पास जितने चाहें, उतने भौतिक संसाधन रख सकते हैं। सुविधावादी जीवनशैली के शिखर एवं तमाम सुरक्षा परिस्थितियों में जीने के बावजूद यह देश आज कितना असहाय एवं बेबस है। विकास की बोली बोलने वाला, विकास की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में आधुनिकता, तकनीक एवं विकास की आंधी लाने वाला अमेरिका जब खुद ऐसी भीषण आग की तबाही का शिकार होने लगा तो उसकी नींद टूटी हैं, उसे अपनी असलियत का पता लगा।

दुनिया को सुरक्षा एवं विकास का आश्वासन देने वाला देश आज खुद अपनी रक्षा नहीं कर पा रहा है। वहां के आधुनिक तकनीक से लेस दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूंजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तल्ख होते मौसम

से हालात और खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विडंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए घरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पांच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने की खबर है। कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर, जैसे बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर, जेमी ली कर्टिस और पेरिस हिल्टन शामिल हैं एवं व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थान आग की भेंट चढ़े हैं। वहां की आस्थाएं एवं निष्ठाएं इतनी जख्मी हो गयी कि विश्वास जैसा सुरक्षा-कवच मनुष्य-मनुष्य के बीच रहा ही नहीं। साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे है, कहना कठिन है। अमेरिका की विकास की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। ईश्वर की बनायी संरचना में दखल का ही परिणाम है कि प्रकृति इतना रौद्र एवं विध्वंसक रूप धारण किया है।

अमेरिका आज दुनिया में प्रकृति के दोहन, अपराध का सबसे बड़ा अड्डा है और हिंसा की जो संस्कृति उसने दुनिया में फैलाई, आज वह स्वयं उसका शिकार है। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साबित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल-फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व पानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरा-तफरी से जगह-जगह ट्रैफिक जाम लग रहे हैं। पानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। घोर अव्यवस्था एवं कुप्रशासन फैला है। दरअसल यह आग लॉस एंजेलिस के उत्तरी भाग में लगी, जिसने बाद में कई बड़े शहरों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं व सूखे मौसम के कारण आग ज्यादा भड़की है। सूखे पेड़-पौधे तेजी से आग की चपेट में आ गए। हालांकि, आग लगने का ठोस कारण अभी तक पता नहीं चला है। हकीकत है कि जंगलों में 95 फीसदी आग इंसानों द्वारा ही लगायी जाती है। वैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों के चलते बदले हालात में अब पूरे साल आग लगने की आशंका बनी रहती है।

अमेरिका दुनिया पर अपना एकछत्र शासन चाहता है। कनाडा, ग्रीनलैंड एवं पनामा को अमेरिका में शामिल करना चाहते हैं। मतलब सीधा सा है जिसकी लाठी उसकी भैंस यानी पावर और पैसे के बल पर खुद को बलवान और सुपरपावर मुल्क समझने वाला अमेरिका एक आग के आगे बेबस नजर आ रहा है। कैलिफोर्निया के दक्षिणी हिस्से में शुरू हुई इस जंगल की आग ने अब लॉस एंजलिस जैसे बड़े शहर को राख बना दिया है। पैलिसेड्स में 20 हजार एकड़, ईटन में 14 हजार एकड़, कैनेथ में 1000 एकड़, हर्स्ट में 900 एकड़, लिडिआ में 500 एकड़ में आग फैली है। इन इलाके में राख के बारीक कणों व धुएं की चादर के कारण स्थानीय स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित की गई है। लोगों का जीवन इन सभी स्थानों पर दुर्भर हो गया है। लॉस एंजलिस की इस आग ने न केवल जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि सूखे और जलवायु परिवर्तन के प्रति गंभीर चेतावनी भी दी है। इससे निपटने के लिए दीर्घकालिक समाधान तलाशना बेहद जरूरी है।

आज अमेरिका विकास की चरम अवस्था पार कर चुका है। यह आशंका सदैव बनी रही है कि अनियंत्रित विकास एवं प्रकृति विनाश के प्रति समय रहते नहीं चेतने की कीमत सृष्टि के विनाश एवं मानवता के धंस से चुकानी होती है, धरती का पर्यावरण नष्ट हो जाता है। धरती पर मंडराते इसी संकट का प्रतीक है यह आग। बात बहुत ही सीधी सी है कि जब तक प्रकृति डराती नहीं विकास की राहें ऐसे ही बेतहाशा एवं अनियंत्रित आगे बढ़ती रहती हैं। किंतु जब प्रकृति मुस्कुराना भूल जाए तो वह विकास, विकास नहीं रहता। वहाँ कृत्रिमता दस्तक देने लगती है, धरती करवट बदलने लगती है, अम्बर चीत्कार कर उठता है तब मनुष्य को समझ लेना चाहिए कि अब विनाश की पदचाप सुनाई देने लगी हैं। अपनी राहें सुरक्षित रखने के वास्ते राहों को मोड़ने पर विचार करना चाहिए। जिद एवं अहंकार में बाजी पलट सकती है, वरना विनाश का दावानल अमेरिका की आग की तरह सब कुछ राख कर देता है। ह्यमन जो चाहे वही करोह्न की मानसिकता वहां पनपती है जहां ईश्वर की सत्ता एवं इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, ऐसी स्थिति में शक्तिशाली देश अपनी अनंत शक्तियों को भी बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। ऐसे देशों एवं लोगों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे लोगों में संतुलित विकास, शांतिपूर्ण सहजीवन, सृष्टि का संतुलन एवं सर्वोच्च ईश्वर सत्ता के प्रति सम्मान आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। एक राष्ट्र मूल्यहीनता, प्रकृति उपेक्षा एवं अहंकारी सोच में कैसे शक्तिशाली बन सकता है? पक्षी भी एक विशेष मौसम में अपने घोंसले बदल लेते हैं। पर मनुष्य अपनी वृत्तियां नहीं बदलता। वह अपनी वृत्तियां तब बदलने को मजबूर होता है जब दुर्घटना, दुर्दिन या दुर्भाग्य का सामना होता है। अमेरिका की आग पक्षियों के इस संदेश को समझने व समय रहते जागने को कह रही है। इस आग से अमेरिका ही नहीं, समूची दुनिया को सबक लेने की जरूरत है।

संपादकीय

सही दिशा में कश्मीर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कश्मीर के गांदरबल जिले में 6.5 किमी. लंबी जेड़ मोड़.सुरंग का उद्घाटन करते हुए कहा कि 'कश्मीर देश का मुकुट है, इसलिए मैं चाहता हूं कि यह ताज और सुंदर तथा समृद्ध हो।' उन्होंने आगे यह भी कहा, 'मैं बस इतना चाहता हूं कि दूरियां अब मिट गई हैं, हमें मिल कर सपने देखना चाहिए, संकल्प लेना चाहिए और सफलता हासिल करनी चाहिए।' लेकिन इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का दिया गया भाषण ज्यादा महत्त्वपूर्ण और प्रासंगिक है, जिसके अनेक निहितार्थ निकाले जा सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि 'पंद्रह दिन के अंदर पहले जम्मू को रेलवे डिवीजन और अब टनल, इन परियोजनाओं से न सिर्फ दिल की दूरी, बल्कि दिल्ली से दूरी भी कम हो जाती है।' प्रधानमंत्री मोदी के भाषण का उल्लेखकरते हुए मुख्यमंत्री उमर ने कहा, 'मेरा दिल कहता है कि प्रधानमंत्री बहुत जल्द जम्मू-कश्मीर के लोगों को किया गया अपना तीसरा वादा भी पूरा करेंगे, जो राज्य का दर्जा बहाल करना है।' मुख्यमंत्री के भाषण से प्रतीत होता है कि उनका कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मोहभंग हुआ है और उन्होंने अच्छी तरह से समझ लिया है कि अगर जम्मू-कश्मीर का विकास करना है और यहां व्यवस्थित सरकार चलानी है तो प्रधानमंत्री मोदी के सहयोग से ही चला सकते हैं, टकराव से नहीं। अगर मोदी का सहयोग मिलता रहेगा तो केंद्र का अनावश्यक हस्तक्षेप भी नहीं होगा। जाहिर है कि इस पर्वतीय प्रदेश में राज्य सरकार और केंद्र के बीच सहयोग से ही लोकतंत्र मजबूत होगा, शांति और स्थिरता आएगी। आतंकवाद और अलगाववाद परास्त होगा। किसी भी क्षेत्र के विकास के लिएये आवश्यक शर्त है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान राज्य में आतंकी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। संतोषजनक विकास भी हुआ है जिसके कारण पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिला है। राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने भाषण के जरिए समझदारी का परिचय दिया है और अच्छी बात यह है कि यहां के मुसलमान भी अच्छी तरह समझने लगे हैं कि कश्मीर का भविष्य अस्थिर, अराजकताग्रस्त और आर्थिक रूप से संकटग्रस्त पाकिस्तान जैसे देश के साथ नहीं है, बल्कि भारत जैसे लोकतांत्रिक, स्थिर और आर्थिक रूप से मजबूत देश के साथहै। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कश्मीरी अवाम की इसी सोच का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दु?ख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। ....

सर्द मौसम की ठिठुरन में धधकता सियासी गलियारा

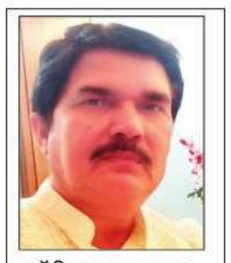

डॉ हिदायत अहमद खान

राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड के साथ घने कोहरे की चादर ने जहां आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित करके रख दिया है, वहीं सियासी गलियारा नेताओं की जुबानी जंग से गरमाया हुआ है। इस चुनावी बेला में कोई किसी को चोर तो कोई महाचोर कहने से गुरेज नहीं कर रहा है। इस तरह सफेदपोशों को एक-दूसरे के दामन में दाग ही दाग नजर आ रहे हैं, जिन्हें सत्ता के डिटरजेंट से साफ करने की जुगाड़ भिड़ाने में भी कोई पीछे नहीं रहना चाहता है। घने कोहरे के कारण दृश्यता का बेहद कम हो जाना कोई नई बात नहीं है, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी दृष्यता जो पहले कभी साफ नजर आती थी, फिलहाल भ्रमित करने वाली प्रतीत हो रही है। इसकी मुख्य वजह गठबंधन से इतर सभी अपना-अपना दांव खेलने को आतुर हैं। जो पहले कभी दोस्ती की डींगें हांकते थे वो भी खानदानी दुश्मनों की तरह, एक दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहा रहे हैं। ऐसे हालात में मौजूदा आम आदमी पार्टी आगे भी दिल्ली की कुर्सी पर विराजमान रहेगी या फिर कांग्रेस या भाजपा किसका दांव सफल होगा यह देखने वाली बात है। आखिर अगली सरकार किसकी होगी? जीत के दावे तो सभी अपने स्तर पर कर ही रहे हैं। जीतने के माकूल कारण भी बखूबी गिनाए जा रहे हैं, लेकिन जनता-जनार्दन जिसे इसका फैसला करना है वह मूक दर्शक बनी सभी को परखने में लगी हुई है। खास बात यह है कि मुफ्त की रेबड़ियां बांटने में कोई पीछे नजर नहीं आ रहा है। इसलिए काम और लोक-लुभावन वादों से चुनाव जीतने वाला फामूर्ला इस समय लागू होता नहीं दिख रहा है। जहां तक चुनावी तैयारी की बात है तो यहां चुनाव आयोग विधानसभा चुनाव की तिथि घोषित करता उससे पहले ही आम आदमी पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की सूची जारी करते हुए बतला दिया था कि उसके आगे किसी और की चलने वाली नहीं है। यह अलग बात है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर शिकंजा कसा हुआ है और वो बहुत ज्यादा दायं-बांय नहीं हो सकते हैं। मौजूदा सीएम आतिशी पर भी चुनाव आचार संहिता को लेकर मामला दर्ज कराया जा चुका है। मतलब साफ है कि तू डाल-डाल तो मैं पात-पात वाली कहावत को चरितार्थ किया जा रहा है। वैसे भी सवाल यह है कि केंद्र में रहते हुए भाजपा आखिर ऐसा कैसे होने दे सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और खासतौर पर भाजपा दिल्ली चुनाव को लेकर खासी गंभीर नजर आ रही है। अतः पिछले चुनावों की ही तरह इस चुनाव में भी भाजपा नेता लगातार साम-दाम, दंड, भेद की नीति को अपनाए हुए हैं और कोशिश में हैं कि किसी भी तरह से इस बार दिल्ली उनके पाले में आ जाए। वैसे भी प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी सत्ता की कमान संभालने के बावजूद हमेशा ही चुनाव मोड में रहते आए हैं। हर कार्य को चुनावी तराजु में तौलने का कार्य बखूबी किया जाता रहा है। यही वजह है कि सरकारी योजनाओं से लेकर आधारशिलाएं रखने और उद्घाटन करने तक को चुनावों को साधने वाला बताया जाता रहा है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि इस ठिठुरन में भी प्रधानमंत्री मोदी राजधानी से लेकर जम्मू-कश्मीर तक लोगों को लुभाने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं दे रहे हैं। यही वजह है कि चुनावी विश्लेषक कहते दिख जाते हैं कि इस बार दिल्ली में कुछ नया होने वाला है। इस बात में दम भी है, क्योंकि कोहरे के बीच दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मुंबई के लिए पीएम मोदी जहां उड़ान भरते हैं, वहीं भाजपा नेता दिल्ली चुनाव में बेहतर परिणाम के लिए कमर कस गलि-मोहल्ले में निकलते दिखे हैं। इस ठिठुरन भरी सुबह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मुंबई के लिए उड़ान भरी। मुंबई पहुंचे तो वहां पर नौसेना के तीन प्रमुख युद्धपोत - आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि, और आईएनएस वाघशीर - को राष्ट्र को समर्पित कर मोदी है तो मुमकिन है वाला संदेश भी दे दिया। वैसे यह सच है कि नौसैना को समर्पित युद्धपोत वाकई भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मील का पत्थर साबित होने जैसा ही काम है। इन सब से हटकर यदि बात कांग्रेस की करें तो वह भी किसी भी स्तर पर अन्य से पीछे नहीं दिख रही है। यही वजह है कि इस सर्द सुबह और कोहरे के बीच कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा सोनिया गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे नई दिल्ली में पार्टी के नए मुख्यालय इंदिरा भवन का उद्घाटन करते नजर आ गए हैं। इस खास मौके पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव व वायनाड सांसद प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता व अनेक नागरिक उपस्थित थे। इससे यह संदेश जाता है कि कांग्रेस इस बार दिल्ली चुनाव में अपने पूरे दम-खम के साथ उतरी है और कुछ बेहतर करने की दृढ़ इच्छा रखती है। पहले कभी कांग्रेस का गढ़ रही दिल्ली अब एक बार फिर कुछ नया करके दिखाने को आतुर दिख रही है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि सरकार बदल जाएगी और रजनीति थम जाएगी, बल्कि चुनाव से लेकर चुनाव बाद तक सियासी गलियारा धधकता रहने वाला है। इसकी मुख्य वजह प्रमुख नेताओं पर जो केस चल रहे हैं और लगातार मामले दर्ज हो रहे हैं उसका दूरगामी परिणाम भी इस चुनाव में असर छोड़ने वाला है। अंततः दिल्ली का मतदाता क्या सोचता है और किसे अपना हितैषी मानता है यह तो उसके मन की बात है। बावजूद इसके आम आदमी पार्टी ने जिस तरह से दिल्ली सरकार को चलाया और लोगों को अपने कार्यों और निर्णयों से जोड़े रखा उससे संदेश तो यही जाता है कि उससे सत्ता छीनना भाजपा और कांग्रेस के लिए टेढ़ी खीर साबित होने वाला है।

प. बंगालः तृणमूल में 'खेला' तो होगा

शंकर जालान

खेला होबे', खेला होबे', यानी खेल होगा, खेल होगा? वाले जिस लोकप्रिय चुनावी नारे के बलबूते तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 2021 (पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव) और 2024 के लोक सभा चुनाव में भाजपा समेत तमाम विरोधी दलों को धूल चटाते हुए चुनावी रण से बाहर का रास्ता दिखाया था, मौजूदा समय में वही 'खेला' टीएमसी के भीतर होते दिख रहा है। बुआ (ममता बनर्जी) और भतीजे (अभिषेक बनर्जी) के बीच इन दिनों जो चल रहा है, उसे देखते हुए लगता है कि जल्द ही टीएमसी में भी कुछ बड़ा 'खेला' होने वाला है।

वैसे कई दफा और कई मुद्दों पर बुआ-भतीजे में मतभेद की खबरें आती रही हैं, लेकिन बीते दिनों अभिषेक के करीबी और विश्वासपात्र माने जाने वाले दो नेताओं (पूर्व सांसद डॉ. शांतनु सेन और अराबुल इस्लाम) को बाहर का रास्ता दिखा कर ममता ने बताने की कोशिश की है कि पार्टी में सर्वेसर्वा केवल वे ही हैं। टीएमसी के कुछ नेता यह जरूर चाहते हैं कि भुआ-भतीजे का विवाद जल्द समाप्त हो जाए लेकिन विपक्ष विशेषकर भाजपा चाहती है कि भुआ-भतीजे के बीच दूरियां जितनी बढेंगी, आगामी विधानसभा चुनाव में जीत उसके उतनी ही करीब होगी। मालूम हो कि 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए चुनाव होने हैं। गत लोक सभा चुनाव में राज्य में मिली करारी हार के बाद भाजपा अभी तक सूबे में अपना संगठन मजबूत नहीं कर पाई है। प्रदेश के भाजपा नेता चाहते हैं कि उनका संगठन चाहे मजबूत हो न हो, लेकिन टीएमसी का संगठन जरूर कमजोर हो जाए। सांगठनिक ताकत के तौर पर वाम मोर्चा और कांग्रेस भी नये सिरे से अपनी शुरूआत के पक्ष में हैं। 2011, 2016 और 2021 में जीत यानी हैट्रिक लगाने वाली टीएमसी अपना घर ठीक से नहीं चला पा रही है। ममता पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी की मुखिया हैं, तो अभिषेक पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद हैं। सभी जानते हैं कि ममता के बूते ही अभिषेक को पहचान मिली, कई दफा सांसद बनने का मौका मिला और पार्टी में महासचिव जैसा महत्त्वपूर्ण पद भी, लेकिन अब अभिषेक की महत्त्वाकांक्षा और पार्टी में दखलअंदाजी बढ़ गई है, जो ममता को रास नहीं आ रहा।

अंदरखाने सूत्रों ने बताया कि इन दिनों भुआ-भतीजे के रिश्ते में पहली वाली मधुरता नहीं है। दोनों के बीच कई बार मतभेद और रार हो चुकी हैं, लेकिन अब लड़ाई सतह पर आती नजर आ रही है। भुआ-भतीजे के मनमुटाव का असर पार्टी की सेहत पर न पड़े, इसे लेकर टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं के माथे पर चिंता की लकीरें दिख रही हैं। सूत्रों के मुताबिक टीएमसी दो खेमे में बंट गई है। एक खेमा है ममता बनर्जी का, जिसमें वे नेता शामिल हैं, जो टीएमसी के संघर्ष के दिनों से ममता के साथ हैं। दूसरा खेमा है अभिषेक का जिसमें अधिकतर नेता ऐसे हैं जिन्होंने टीएमसी के एक मुकाम पर पहुंचने के बाद 'जोड़ाफूल' (टीएमसी का चुनाव चिन्ह) थामा था। ऐसे में टीएमसी नयेझपुराने नेताओं में बंटती नजर आ रही है।

टीएमसी में महीनों से विवाद जारी है, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के बीच मतभेदों का कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। पहले अभिषेक कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के कथित रेप और हत्या के मामले में राज्य सरकार के रवैए की आलोचना करने वाले कलाकारों के बहिष्कार के मुद्दे पर पार्टी के कुछ नेताओं से असहमत थे, लेकिन अब ममता ने अपने भतीजे के करीबी माने जाने वाले मंत्रियों को आड़े हाथों लिया है। भुआ-भतीजे के मनमुटाव का असर पार्टी की सेहत और सूबे की राजनीति पर कितना पड़ेगा, यह जानने के लिए इंतजार करना पड़ेगा लेकिन फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि भुआ-भतीजे के सुर नहीं मिलने से संगठन के चुनाव में दिक्कतें आ रही हैं।

हाल में भांगड़ में अराबुल इस्लाम और सावकत मोल्लाह के बीच गुटीय संघर्ष की बात सामने आई। दोनों एक-दूसरे को टीएमसी का सदस्य मानने से भी कतरा रहे थे। अंततः अराबुल को निलंबित कर दिया गया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक साथ रेप और हत्या के बाद से स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर लगातार मुखर रहे टीएमसीके पूर्व सांसद डॉ. शांतनु सेन को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। शांतनु सेन को राजनीतिक हल्कों में अभिषेक का करीबी माना जाता है। टीएमसी ने उन्हें पार्षद से राज्य सभा सांसद बनाया। अभिषेक की मेहरबानी से चिकित्सकों के संगठन के अखिल भारतीय अध्यक्ष बन गए थे। पार्टी के प्रवक्ता के तौर पर किया। राजनीति के पंडित इस निलंबन के पीछे भी विशेष रणनीति देख रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि टीएमसी में निलंबन की बात कब उठती है, यह भी स्पष्ट नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि निलंबन की घोषणा उन जयप्रकाश मजूमदार ने की जो कभी भाजपा में थे। अभिषेक के दोनों करीबियों के निलंबन को लेकर सूबे की राजनीति में उथल-पुथल मची है। चर्चा है कि विधानसभा चुनाव से पहले यह ह्यखेला' कहां तक चलेगा और कहां जाकर खत्म होगा।

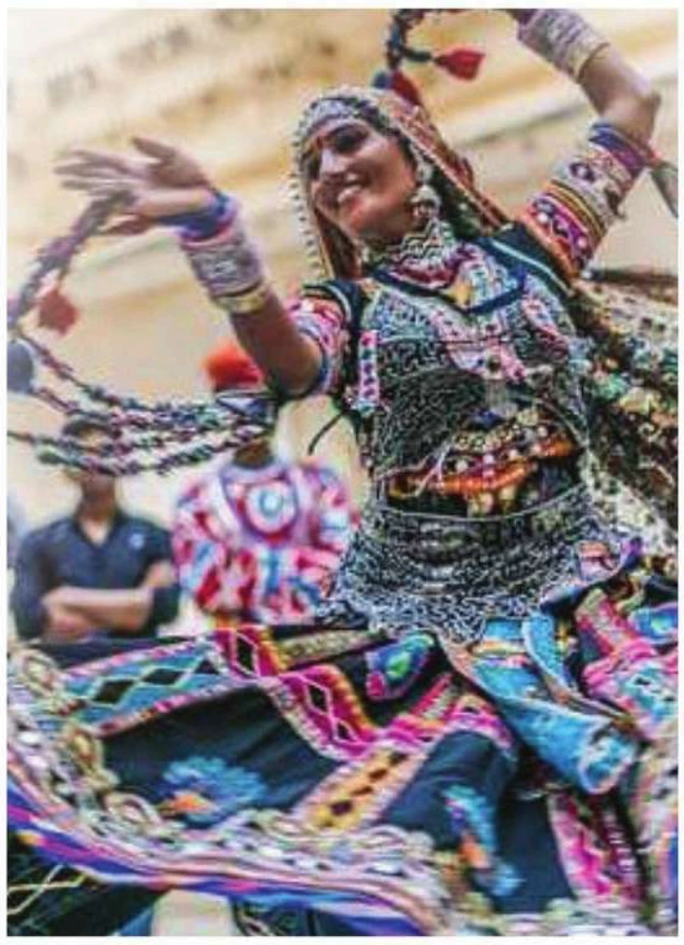

पुष्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल का लुत्फ, लज़ीज व्यंज़न और लोक नृत्यों का है संगम

अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले धोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

आकर्षण

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्रैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्ज़री नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, ज़िप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी.दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फोटो खीचते नज़र आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्मा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुर्मुखी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रूपये के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अर्णीराज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं। गर्भगृह में बंशी बजाते हुए भगवान वेणुगोपाल की श्याम वर्ण की लुभावनी प्रतिमा है। मंदिर मकराना के श्वेत पत्थर से निर्मित है, जिसके दोनों ओर जय-विजय द्वारपाल हैं। इसी मंदिर में रूकमणी, श्रीकृष्ण, भूदेवी, सत्यभामा की पंचधातु की प्रतिमाएं हैं। चैत्र माह में भगवान रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया जाता है।

अरावली पर्वत की घाटियों में बसा रणकपुर जैन मंदिर

राजस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य चारों ओर जंगलों से घिरे रणकपुर में भगवान ऋषभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है। जंगलों से घिरे होने के कारण इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। भारत के जैन मंदिरों में संभवतः इसकी इमारत सबसे भव्य एवं विशाल है। रणकपुर मंदिर उदयपुर से 96 किलोमीटर की दूरी पर है।

इस मंदिर की इमारत लगभग 40,000 वर्गफीट में फैली है। आज से करीब 600 वर्ष पूर्व 1446 विक्रम संवत में इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो 50 वर्षों से अधिक समय तक चला। कहा जाता है कि उस समय में इसके निर्माण में करीब 99 लाख रुपए का खर्च आया था। इस मंदिर में 4 कलात्मक प्रवेश द्वार हैं। मंदिर के मुख्य गृह में तीर्थंकर आदिनाथ की संगमरमर से बनी 4 विशाल मूर्तियां हैं। करीब 72 इंच ऊंची ये मूर्तियां 4 अलग दिशाओं की ओर उन्मुख हैं। इसी कारण इसे चतुर्मुख मंदिर कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर में 76 छोटे गुम्बदनुमा पवित्र स्थान, 4 बड़े प्रार्थना कक्ष तथा 4 बड़े पूजन स्थल हैं। ये मनुष्य को जीवन-मृत्यु की 84 योनियों से मुक्ति प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस मंदिर की प्रमुख विशेषता इसके सैकड़ों खंभे हैं जिनकी संख्या करीब 1,444 है। यहां आप जिस तरफ भी नजर घुमाएंगे आपको छोटे-बड़े आकारों के खंभे दिखाई देते हैं, परंतु ये खंभे इस प्रकार बनाए गए हैं कि कहीं से भी देखने पर मुख्य पवित्र स्थल के दर्शन में बाधा नहीं पहुंचती है। इन खंभों पर अतिसुंदर नक्काशी की गई है। इन खंभों की खास विशेषता यह है कि ये सभी अनोखे और अलग-अलग कलाकृतियों से निर्मित हैं। मंदिर की छत पर की गई नक्काशी इसकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।

मंदिर के निर्माताओं ने जहां कलात्मक दोमंजिला भवन का निर्माण किया है, वहीं भविष्य में किसी संकट का अनुमान लगाते हुए कई तहखाने भी बनाए गए हैं। इन तहखानों में पवित्र मूर्तियों को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये तहखाने मंदिर के निर्माताओं की निर्माण संबंधी दूरदर्शिता का परिचय देते हैं।

विक्रम संवत 1953 में इस मंदिर के रखरखाव की जिम्मेदारी एक ट्रस्ट को दे दी गई थी। उसने मंदिर के पुनरुद्धार कार्य को कुशलतापूर्वक कर इसे एक नया रूप दिया। पत्थरों पर की गई नक्काशी इतनी भव्य है कि कई विख्यात शिल्पकार इसे विश्व के आश्चर्यों में से एक बताते हैं। हर वर्ष हजारों कलाप्रेमी इस मंदिर को देखने आते हैं। इसके अलावा यहां संगमरमर के टुकड़े पर भगवान ऋषभदेव के पदचिह्न भी हैं। ये भगवान ऋषभदेव तथा शत्रुंजय की शिक्षाओं की याद दिलाते हैं।

रणकपुर का निर्माण कैसे हुआ- इस मंदिर का निर्माण 4 श्रद्धालुओं- आचार्य श्यामसुंदरजी, धरन शाह, कुंभा राणा तथा देपा ने कराया था। आचार्य सोमसुंदर एक धार्मिक नेता थे जबकि कुंभा राणा मलगढ़ के राजा तथा धरन शाह उनके मंत्री थे। धरन शाह ने धार्मिक प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर भगवान ऋषभदेव का मंदिर बनवाने का निर्णय लिया था।

कहा जाता है कि एक रात उन्हें स्वप्न में नलिनीगुल्मा विमान के दर्शन हुए, जो पवित्र विमानों में सर्वाधिक सुंदर माना जाता है। इसी विमान की तर्ज पर धरन शाह ने मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह ने कई वास्तुकारों को आमंत्रित किया। इनके द्वारा प्रस्तुत कोई भी योजना उन्हें पसंद नहीं आई। अंततः मुंदारा से आए एक साधारण से वास्तुकार दीपक की योजना से वे संतुष्ट हो गए।

मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह को मलगढ़ नरेश कुंभा राणा ने जमीन दी। उन्होंने मंदिर के समीप एक नगर बसाने का भी सुझाव दिया। मंदिर के समीप मदगी नामक गांव को इसके लिए चुना गया तथा मंदिर एवं नगर का निर्माण साथ ही प्रारंभ हुआ। राजा कुंभा राणा के नाम पर इसे रणपुर कहा गया, जो बाद में रणकपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज का रणकपुर पुरानी विरासत और इसे सहेजकर रखने वालों के बारे में भी संदेश देता है जिनके कारण रणकपुर मात्र एक विचार से वास्तविकता में बदल सका।

वैसे भी राजस्थान अपने भव्य स्मारकों तथा भवनों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थुन में स्थित रणकपुर मंदिर जैन धर्म के 5 प्रमुख तीर्थस्थरलों में से एक है। यह मंदिर खूबसूरती से तराशे गए प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर के आसपास ही नेमीनाथ और पार्श्वनाथ को समर्पित 2 मंदिर हैं, जो हमें खजुराहो की याद दिलाते हैं। यहां निर्मित सूर्य मंदिर की दीवारों पर योद्धाओं और घोड़ों के चित्र उकेरे गए हैं, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण के समान है। यहां से लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर माता अम्बा का मंदिर भी है।

कैसे पहुंचें:-

सड़क मार्ग:- उदयपुर देश के प्रमुख शहरों से सड़कों के जरिए जुड़ा हुआ है। उदयपुर से यहां के लिए प्राइवेट बसें तथा टैक्सियां उपलब्ध रहती हैं। आप यहां अपने निजी वाहन से भी जा सकते हैं।

रेलवे:- यहां पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टे शन उदयपुर ही है, साथ ही रणकपुर के लिए सभी प्रमुख शहरों से रेलगाड़ियां उपलब्धे हैं।

वायु मार्ग:- रणकपुर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर है। दिल्लीं, मुंबई से यहां के लिए नियमित उड़ानें हैं।

आसपास के क्षेत्रों में पावापुरी सिरोही, संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम, माउंट आबू, दिलवाड़ा का विख्यात जैन मंदिर भी हैं, जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

फिर से जमेगी अक्षय के साथ इस अभिनेत्री की जोड़ी, प्रियदर्शन की भूत बांग्ला में लगाएंगी तड़का

प्रियदर्शन के निर्देशन में अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी, भूत बंगला में बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री कंमर्फ हो चुकी है, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए दी है। ड्यून- प्रोफेसी में जबर्दस्त अभिनय के बाद आखिरकार, तब्बू ने खुलासा किया है कि वह आगे क्या करने की योजना बना रही हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी, भूत बंगला में वह अगली बार नजर आएंगी। इसका खुलासा खुद तब्बू ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया। तब्बू ने इंस्टाग्राम पर घोषणा करते हुए एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर शेयर की, जिस पर लिखा था भूत बांग्ला। उनके इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, हम यहां बंद हैं। तब्बू की इस पोस्ट के बाद उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं कि भूल भूलैया 2 के बाद अब वह तब्बू को फिल्म भूल बंगला में हॉरर के साथ कॉमेडी का तड़का लगाते देख पाएंगे।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म है भूत बंगला

2000 की फिल्म हेरा फेरी में अक्षय और तप्पू साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म का निर्देशन भी प्रियदर्शन ने ही किया था। कुछ समय से ऐसी अफवाहें चल रही थीं कि तब्बू भी इस ड्रामा में शामिल होंगी, लेकिन प्रशंसक आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार, तब्बू की इंस्टाग्राम पोस्ट ने खुलासा कर ही दिया है कि वह भूत बंगला का हिस्सा हैं और इस हॉरर कॉमेडी में वह एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं। 2026 में आने वाली फिल्म भूत बांग्ला में अक्षय कुमार और तब्बू के अलावा परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी जैसे कई बेहतरीन कलाकार नजर आ सकते हैं।

वेब सीरीज पिरामिड में एक जर्नलिस्ट का किरदार निभा रही हैं हेली शाह

हेली शाह को इन दिनों वेब सीरीज पिरामिड में देखा जा रहा है। इसमें रोहन मेहरा, हर्षद अरोरा, करण शर्मा, क्रिस्टन बैरेटो भी हैं। हेली ने खास बातचीत की।

सीरीज की कहानी और अपने किरदार के बारे में बताइए?

मेरे किरदार का नाम वृंदा है। वह जर्नलिस्ट है। उसके बहुत सारे सपने हैं। अपने पापा के साथ रहती है। वृंदा ने क्रिप्टो करेंसी यानी डिजिटल मनी में इन्वेस्टमेंट किया होता है। उसे उम्मीद है कि बहुत ज्यादा रिटर्न मिलेगा, जो उसे ऑन एप में दिख भी रहा होता है। लेकिन इसमें कई ट्विस्ट एंड टर्न आते हैं। यह कैसी स्कीम है, कैसे स्कैम होता है, यह शो देखने पर पता चलता है।

रियल लाइफ में किस ऊंचाई पर पहुंचने की ख्वाहिश रखती हैं?

मुझे नहीं लगता है कि मेरे दिमाग में कोई एक सेट लिमिट है। बतौर ह्यूमन ग्राउंडेड रहना चाहती हूं। मैं कुछ न कुछ नई चीजें सीखते रहना चाहती हूं और उसी से आगे भी बढ़ना चाहती हूं। हाइपोथेटिकली अगर बोलना चाहूं, तब नहीं बोल सकती कि एकदम टॉप पर पहुंचना चाहती हूं। लेकिन जर्नी कभी खत्म नहीं होती है। इस जर्नी में बहुत कुछ सीखते और सुधारते हुए आगे बढ़ते हैं। यह आखिर तक चलता रहता है।

रोहन मेहरा के साथ शूटिंग करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा?

रोहन के साथ शूट करने में बहुत मजा आया। न सिर्फ रोहन, बल्कि पूरी स्टार कास्ट नीरज, हर्षद, करण आदि के साथ शूटिंग की बहुत फन जर्नी रही। रोहन के साथ ही मैक्सिमम सीन हैं। उनके साथ काम करना बड़ा दिलचस्प रहा। हमारा एक शेड्यूल मनाली में भी था, जो काफी इंटरेस्टिंग था। वहां की लोकेशन मनलुभावन रही। लेकिन मैं जैसे ही मनाली पहुंची, वैसे ही बीमार पड़ गई।

बतौर फीमेल लीड रोल प्ले करने का कितना प्रेशर होता है?

यह सही है कि ओटीटी पर मेल सेंट्रिक शो आते हैं। उनकी वजह से शो चल रहा है, यह भी सही है। क्योंकि ऐसी कई सारी वेब सीरीज हैं, जिसमें मेल कैरेक्टर ही शो को आगे बढ़ाता है और लोगों को पसंद आता है। लेकिन मैं अपने आपको बहुत ग्लैड और खुशनसीब समझती हूं कि कुछ लोग ऐसे शो बनाना चाह रहे हैं, जिसमें फीमेल सेंट्रिक कैरेक्टर हो। मैं ग्लैड हूं कि पिरामिड मिला। उससे भी बड़ी बात यह है कि मेरे किरदार वृंदा के साथ ही सारी चीजें होती हैं। ईमानदारी से कहूं तो यह शो करके बहुत खुश हूं।

इमरजेंसी देखने को उत्साहित सलमान खान

कंगना रनौत ने हाल ही में सलमान खान के साथ अपनी दोस्ती पर बात की और बताया कि बॉलीवुड के भाईजान और उनकी दोस्ती वर्षों पुरानी है। कंगना ने यह खुलासा भी किया कि उन्हें सलमान खान के साथ काम करने के कई मौके मिले, लेकिन दोनों कभी परदे पर साथ काम नहीं कर पाए। कंगना ने कहा, आप सलमान खान को देखें तो उनकी बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है, लोग उन्हें प्यार करते हैं, जो उन्हें प्यार करते हैं वो उनसे प्यार करते रहेंगे, लेकिन जो लोग उन्हें परेशान करने वाले होते हैं, वो जाहिर तौर पर उनसे नफरत करेंगे। कंगना ने बताया कि उन्हें बजरंगी भाईजान और सुल्तान जैसी फिल्में ऑफर की गई, लेकिन उन्होंने मना कर दिया, कंगना ने कहा कि भले ही उन्होंने सलमान की ऑफर की गई फिल्में ठुकरा दीं, लेकिन एक्टर उनके प्रति हमेशा दयालु बने रहे। कंगना ने आगे कहा, सलमान और मेरी आज भी बात होती है, वे इमरजेंसी देखने के लिए भी उत्साहित हैं। हमारा एक कॉमन फ्रेंड है, उन्होंने उसे भेजा और कहा कि तुम जाकर देखो कि उसने कौन सी फिल्म बनाई है। कंगना के मुताबिक सलमान ने उन्हें फोन भी किया, इस पर कंगना ने कहा, तो तुम्हारे पास खबर है, लेकिन तुमने खुद फिल्म नहीं देखी। बता दें कि इमरजेंसी17 जनवरी को रिलीज हो रही है।

रेसिंग करियर के बीच अजित ने अभिनय और सिनेमा को लेकर दिया बड़ा बयान

साउथ सुपरस्टार अजित ने एक इंटरव्यू में अभिनेता ने अपने अभिनय और रेसिंग करियर के बारे में बात की। उन्होंने आगे कहा कि रेसिंग सीजन शुरू होने तक वह कोई भी फिल्म साइन नहीं करेंगे और अक्तूबर से मार्च के बीच अभिनय करने की योजना बना रहे हैं।

फिल्मों में अभिनय कब करेंगे अजित

अजित ने इस बारे में बात की कि क्या उनके फिल्म अनुबंध उन्हें फिल्मों की शूटिंग के साथ-साथ रेसिंग करने की अनुमति देते हैं? अजित ने कहा, नहीं। मुझे यह बताने की जरूरत नहीं है कि क्या करना है, क्या नहीं करना है। फिलहाल, मैं मोटरस्पोर्ट्स को आगे बढ़ाने की योजना बना रहा हूं, न केवल एक ड्राइवर के रूप में बल्कि एक टीम के मालिक के रूप में भी। जब तक रेसिंग सीजन चालू नहीं हो जाता, मैं फिल्में साइन नहीं करूंगा और संभवतः अक्तूबर से मार्च के बीच, रेसिंग सीजन शुरू होने से पहले मैं शायद फिल्में करूंगा। मैं फिल्मों में अभिनय करूंगा, ताकि कोई भी चिंतित न हो और जब मैं रेस करूं तो मैं पूरी तरह से तैयार रहूं।

अजित का रेसिंग करियर

अपनी बातचीत के दौरान उन्होंने रेसिंग में आने के बारे में भी बताया। अजित ने कहा, मैं 18 साल का था जब मैंने भारत में मोटरसाइकिल रेसिंग शुरू की। और फिर मैं काम में व्यस्त हो गया, लेकिन मैंने 20-21 साल की उम्र तक मोटरसाइकिल रेसिंग की और फिर 1993 तक इसे जारी रखा। फिर मैं फिल्म उद्योग में आ गया और मैं 2002 में 32 साल का था, जब मैंने मोटर रेसिंग में वापस आने का फैसला किया, लेकिन मोटरसाइकिल में नहीं, चार पहिया वाहनों में।

रेसिंग के मालिक भी हैं अजित

अजीत कुमार रेसिंग के मालिक भी हैं। उनकी टीम पोर्श 992 क्लास में अपने साथियों मैथ्यू डेट्री, फैबियन डफीक्स और कैमरन मैकलियोड के साथ भाग लेगी। वहीं, बात करें अभिनेता की फिल्मों के बारे में तो वह दो बहुप्रतीक्षित फिल्मों को लेकर भी सुर्खियों में बने हुए हैं, पहली विदामुयार्ची और दूसरी गुड बैड अग्ली। विदामुयार्ची पहले पोंगल पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे टाल दिया गया है और अब इसकी आधिकारिक नई रिलीज डेट का इंतजार है।

इस दिन रिलीज होगी गुड बैड अग्ली

वहीं, बात करें अजित की दूसरी फिल्म गुड बैड अग्ली के बारे में तो यह फिल्म 10 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। गुड बैड अग्ली बॉक्स ऑफिस पर पैन इंडिया स्टार प्रभास की द राजा साब के साथ क्लैश होगी। फिल्म में अजित के साथ तृषा, प्रसन्ना और सुनील भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

भारत में म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स टूर शुरू करेंगी जसलीन रॉयल

भारत में काउंटडाउन शुरू हो गया है। पॉप सेंसेशन और चार्ट-टॉपर, जसलीन रॉयल कोल्डप्ले के म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स टूर की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। केवल एक हफ्ते से कम का समय बचा है, उसके बाद देशभर में हर तरफ कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट का जादू देखने को मिलेगा। जसलीन ने अपने हालिया पोस्ट से फैंस का उत्साह भी दोगुना कर दिया है।

कॉन्सर्ट के लिए तैयार हैं जसलीन

हाल ही में, सोशल मीडिया पर कॉन्सर्ट के लिए नोट्स के साथ अपनी तैयारी की एक तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने कहा, 'लाइफ लेटली। सिंग, स्लीप, कडल, रिपीट। वन वीक टू गो फॉर द कोल्डप्ले- म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स इंडिया टूर।' जसलीन भारत की लोकप्रिय पॉप आइकन हैं। आने वाले कोल्डप्ले कॉन्सर्ट में जसलीन रॉयल का लेटेस्ट ट्रैक साहिबा है। जसलीन के हालिया पोस्ट पर लोगों ने कमेंट कर पूछा कि अब उनका अगला गाना कब आएगा। एक यूजर ने लिखा, आपको लाइव देखने का बेसब्री से इंतजार है। दूसरे यूजर ने लिखा, मेरा दिन आपके गानों से ही शुरू होता है। सच में आपको देखने का बेसब्री से इंतजार है। सिंगिंग के साथ यह काम भी करेंगी जसलीन जसलीन कॉन्सर्ट में गाने के साथ-साथ उसे परफॉर्म, कम्पोज, सॉन्ग राइटिंग और प्रोड्यूसिंग भी करेंगी। यही नहीं, यह दावा भी किया जा रहा है कि जसलीन इस कॉन्सर्ट में एकमात्र भारतीय गायिका होंगी। जसलीन अपने फैंस को आने वाले कॉन्सर्ट को लेकर अपनी तैयारी के बारे में पूरी तरह से अपडेट करती हैं। वह इस कॉन्सर्ट को लेकर वह बहुत उत्साहित हैं।

बता दें कि भारत में कोल्डप्ले कॉन्सर्ट को लेकर लोगों में अलग ही क्रेज देखने को मिल रहा है। फैंस की दीवानगी का ऐसा आलम है कि कॉन्सर्ट की टिकटें चंद मिनटों में बिक गईं। फैंस के क्रेज को देखते हुए बुक माय शो ने लोगों के लिए बोनस टिकटों की घोषणा की है।

मुझे कभी भी अपनी बात रखने का नुकसान नहीं उठाना पड़ा

आज से तकरीबन दो दशक पहले गुल पनाग ने मिस इंडिया बनने के बाद फिल्म धूप से अपने फिल्मी जीवन का आगाज किया था। मगर बीते सालों में उन्होंने काफी चुनिंदा काम किया। चुनिंदा काम करने का कारण वे बताती हैं, मुझे लगता है कि जो भूमिकाएं आपको आकर्षित करें, आपको उन भूमिकाओं से जुड़ना चाहिए। मुझे खुशी है कि मैंने जितना भी काम किया है, वह पसंद किया गया और उस काम ने मुझे खुशी दी। मेरी ग्लैमरस इमेज भी काफी हावी रही मगर ओटीटी में मेरे चरित्रों ने उस अवधारणा को भी तोड़ा और मैंने ही नहीं, बल्कि दर्शकों ने भी मुझे नए तरीके से खोजा।

फिल्में हों या वेब सीरीज, गुल पनाग ने हमेशा से महिलावादी किरदारों को जीवंत किया है। वे निजी जिंदगी में एक एनजीओ भी चलाती हैं जो जेंडर इक्वैलिटी, शिक्षा, समानता जैसे मुद्दों पर काम करता है। महिला मुद्दे पर वे अपनी राय कहती हैं, लड़कियों को लेकर मुझे जो बात सबसे ज्यादा परेशान करती है, वह ये कि वे स्वयं को सीमाओं के अंदर बांधकर खुद के दायरे बना लेती हैं। देखिए महिलाओं के लिए सामाजिक दायरे तो होते ही हैं, फिर उसके भीतर वे अपनी तरक्की और सोच का दायरा संकुचित क्यों कर लेती हैं? उनकी यही सोच उनकी उन्नति में रुकावट बन जाती है। सदियों से हम लड़कियों की एक खास तरह से कंडीशनिंग की गई हैं कि ऐसे रहो, ये मत करो, वह मत करो और इन हदों में हम खुद के लिए और हद बनाकर बंध जाते हैं। हम लड़कियों को अपने दायरे कभी सेट नहीं करने चाहिए। उल्टा समाज के दायरों को तोड़ कर आगे बढ़ना होगा।

मुझे स्टैंड लेने का खामियाजा कभी नहीं भुगतना पड़ा

गुल पनाग अपनी बेबाकी के लिए भी खूब जानी जाती हैं। वे सामाजिक या राजनैतिक मुद्दों पर अपनी राय रखने से हिचकिचाती नहीं हैं। क्या उन्हें इसका कभी खामियाजा भुगतना पड़ा है? इस सवाल पर वे कहती हैं, मुझे लगता है कि ये संभव है कि आप अपने विचार रखें और लोगों को आहत करने की कोशिश न करें। मैं राजनीति की बात नहीं कर रही। मैं सामाजिक ध्रुवीकरण की बात कर रही हूं। कई बार लोग हटकर दिखने या बनने के लिए अपना पक्ष रखते हैं। बुनियादी तौर पर मेरा मानना है कि आप बिना आक्रामक और कठोर बने अपनी बात कह सकते हैं। मैंने जब भी अपना पक्ष रखा है, उन सामने वाले के नजरिए को समझते हुए रखा है। मुझे कभी भी नैतिक या सिद्धांतवादी मुद्दों पर अपना पक्ष रखने का खामियाजा नहीं भुगतना पड़ा। मैंने कई लोगों से सुना है कि अपनी बात रखने पर उनके साथ उत्पीड़न हुआ, मगर मुझे कभी भी अपनी बात रखने का नुकसान नहीं उठाना पड़ा। सभी जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रही हूं। मैं इस वक्त उस मुद्दे पर बात नहीं करना चाहती, मगर इतना जरूर कहूंगी कि जब भी अपना मत रखती हूं, पब्लिसिटी या लोगों को तंग करने के लिए नहीं रखती।

वर्तमान में जीने में यकीन करती हूं

मिस इंडिया का खिताब जीत चुकी गुल ऐक्ट्रेस होने के साथ-साथ कमर्शल पायलट, बाइक राइडर भी हैं, राजनीति में रुचि रखती हैं और महिला मुद्दों को लेकर एनजीओ भी चलाती हैं। असल जिंदगी में वे मां भी हैं। उन्हें सबसे ज्यादा मजा किस काम में आता है? इस सवाल के जवाब में वे कहती हैं, मैं भले कई चीजों में माहिर हूं, मगर हमेशा उस पल में जीना पसंद करती हूं, जो उस वक्त चल रहा होता है। आपको भले ये फलसफा लगेगा, मगर ये सच है कि इससे पहले जो हुआ, वह बीत चुका है और जो होने वाला है, वह हमें पता नहीं, मगर ये जो चल रहा है, ये मेरी जिंदगी का अहम मोमेंट है। जब मैं बाइक राइड करती हूं, तो उसके मजे लेती हूं। जब घर पर होती हूं, तो वह पल मेरे लिए बहुत जरूरी होता है। मैं जब, जिस पल लोगों के साथ रहती हूं, उन्हें वक्त देती हूं, उन्हें प्रोत्साहित करती हूं और उस वक्त को अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी यादगार बनाती हूं।

मेरा किरदार मनोरमा सिक्स फीट अंडर से प्रभावित है

गुल पनाग ने ओटीटी पर द फैमिली मैन, रंगबाज फिर से, गुड बैड गर्ल, पाताल लोक सीजन वन और टू में काम किया है। अपनी नई वेब सीरीज में भूमिका के बारे में वह कहती हैं, सीजन वन में मेरी भूमिका अगर लोगो को पसंद आई, तो इसका श्रेय इसके क्रिएटर सुदीप शर्मा और अविनाश को जाता है। इस किरदार को लिखा काफी खूबसूरती से है। छोटा किरदार होने के बावजूद यह अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहा। एक अभिनेत्री के रूप में मेरी खोज यही रहती है कि मैं ऐसे चरित्र निभाऊं, जो या तो मैंने पहले अनुभव नहीं किए हैं या फिर जो मैंने अपने आस-पास देखे नहीं हैं। रेनू जैसा किरदार मैंने कभी अदा नहीं किया था। गुल पनाग के रूप में मेरी जो छवि है, मेरा चरित्र उससे काफी अलग है। इस सीरीज को देखने वाले कई लोगों ने मेरी भूमिका देखा कर कहा, ओह, वह तुम थी! तो मेरी भूमिका ने उन्हें इस कदर चौंकाया। इससे थोड़ा मिलता-जुलता किरदार मैंने निभाया था, मनोरमा सिक्स फीट अंडर में। सुदीप उसी चरित्र से प्रभावित थे। मेरे लिए पाताल लोक मेरी जिंदगी और माइंड की वह जगह है, जहां आप दोबारा नहीं जाना चाहते। भगवान और शैतान दोनों ही हमारे भीतर होता है, मगर हम शैतान को नहीं देखना चाहते।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267